04 - ओवैसी-कुल के खिलाफ 'थिंक-टैंक' का मोर्चा

05 - कुत्तों के काटने की समस्या का कानूनी हल जरूरी

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 09 अप्रैल, 2024

06- अब बैतूल रेलवे माल गोदाम में आधुनिकतम मशीनों द्वारा वैगन से माल...

07- महिला क्रिकेट को आगे ले जाने में महाराष्ट्र ने बाजी मारी

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 177 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

मोदी युग में भारत को मिली नए जुमलों की सौगात

सागरिका किस्सू

फरवरी 2022 में राज्यसभा भाषण के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दल को 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' कहा और आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी 'शहरी नक्सलियों की चपेट में' थी। कुछ ही घंटों में ये दोनों शब्द सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगे। बीते 10 साल में मोदी क्रोधित और चिंतित राष्ट्र के लिए एक प्रमुख नारा देने वाले व्यक्ति की तरह उभरे हैं। उससे एक साल पहले, 2021 में कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों और विरोध करने वाले कार्यकर्ताओं को चिढ़ाने के लिए 'आंदोलनजीवी' शब्द गढ़ा था।

हर एक नया राजनीतिक युग अपने जुमलों के साथ आता है। पीएम मोदी के सत्ता में दस साल पूरे होने वाले हैं और भारतीय बातचीत ऐसे जुमलों से समृद्ध हुई है जो उस समय की राजनीतिक संस्कृति का संकेत देते हैं। टुकड़े-टुकड़े गैंग से लेकर एंटी नेशनल, आंदोलनजीवी, सेक्युलर, घर वापसी, टूलकिट गैंग, खान मार्केट गैंग, गो टू पाकिस्तान, लाभार्थी, यूपीएससी-जिहाद, रेवड़ी, बुलडोजर, स्वच्छता, आत्मनिर्भर, आपदा में अवसर से लेकर वोकल से लोकल तक- के अलावा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और प्रधान सेवक। ये कुछ लोकप्रिय जुमले बन गए हैं। इन्होंने यूपीए-युग के कीवर्ड जैसे 'राइट टू', आम आदमी, भगवाकरण, मनरेगा, इनक्लूसिव ग्रोथ, मौत का सौदागर, चड्डी, सांप्रदायिकरण की भाषा को बदल दिया है जो एक दशक पहले लोकप्रिय बोलचाल का हिस्सा थे। मोदी के आलोचकों और विपक्षी दलों ने भी सार्वजनिक शब्दावली में अपनी वापसी के नारे दिए हैं - भक्तों से लेकर जुमला, फेकू, क्लोजेट-संघी से लेकर सूट-बूट की सरकार, डेमोक्रेसी-स्लाइड, चौकीदार चोर है, नफरत का बाज़ार-मोहब्बत की दुकान से लेकर सबसे नया मैच फिक्सिंग तक।

ट्रेंडिंग हैशटैग की एल्गोरिथम राजनीति में आप जो कहते हैं वे कायम रहना चाहिए। मोदी की भाजपा ने आलोचकों पर लेबल लगाने के खेल में महारत हासिल कर ली है। अगर यह मीम-मटेरियल में नहीं आता है, यानी की प्रभाव नहीं पड़ा है। इंटरनेट पर असहमति को भयावह रूप देने के लिए रोज़मर्रा की भाषा का राजनीतिकरण न केवल सामाजिक-राजनीतिक रुझानों में बदलाव को रेखांकित करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भाषा कैसे धारणाओं, विचारधाराओं और शक्ति की गतिशीलता को आकार देती है।

2022 में लोकसभा सचिवालय ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों में उपयोग होने वाले 'असंसदीय' शब्दों और नारों को एक नई मैगज़ीन में सूचीबद्ध किया। इनमें 'जुमलाजीवी', 'स्नूपगेट', 'कोविड स्प्रेडर', 'अराजकतावादी', 'तनाशाह' शामिल हैं। विपक्ष ने इसे 'तुगलकी फरमान' करार दिया था। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में भारतीय सैद्धांतिक भाषाविद् आयशा किदवई ने कहा, 'शब्दों को भाषा में रचने-बसने में समय लगता है, लेकिन यहां लक्ष्य भाषा के शब्दकोष को समृद्ध करना नहीं है। ये बहिष्कृत शब्द सार्वजनिक शब्दावली का हिस्सा बन गए हैं और यह खतरनाक है।'

इन शब्दों को लोकप्रिय बनाने, उन्हें हैशटैग की आड़ में एक निजी अभिव्यक्ति में बदलने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका रही है। 2014 में सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपने पहले ट्वीट में, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था, 'मैं दुनिया भर के लोगों के साथ संवाद करने के लिए प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया की शक्ति में दृढ़ विश्वास रखता हूं।'

इतने साल में ट्वीट और हैशटैग में शब्दों के युद्ध को एक नया नाम मिला है- 'हैशटैग डिप्लोमेसी'। यह कूटनीति तब दिखाई दी जब मार्च 2019 में ट्वीट्स में अकेले हैशटैग 'मैं भी चौकीदार' 32 लाख बार इस्तेमाल किया गया। उसी दिन विपक्ष ने एक और हैशटैग 'चौकीदार ही चोर है' लॉन्च किया जो इस 'हैशटैग की लड़ाई' में हार गया।

किदवई ने कहा, 'सोशल मीडिया यही करता है। यह शब्दों को राजनीतिक भाषण के दायरे से बाहर निकालकर निजी अभिव्यक्ति बना देता है और तर्क की सामग्री खो गई है, यह महज़ एक हैशटैग बनकर रह गया है।'

हैशटैग की शब्दावली

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, 'यूपीए सरकार के दौरान, हमने अधिकार-आधारित कानूनों और कानून, आरटीआई, खाद्य सुरक्षा अधिनियम के बारे में बात की, लेकिन अब, दलीलें महज़ शोर-शराबे तक सीमित रह गई हैं।' इसकी शुरुआत 2014 के चुनाव के दौरान भाजपा के प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस्तेमाल किए गए लोकप्रिय जुमले: 'अच्छे दिन आएंगे' से हुई। यह जुमले तेज़ी से हैशटैग, मीम्स और ऑनलाइन प्रवचन की सोशल मीडिया शब्दावली में बदल गए।

'पप्पू' जैसे शब्द विपक्षी नेता राहुल गांधी के लिए इस्तेमाल किए गए, कोविड महामारी के दौरान 'थूक जिहाद' और जब उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घरों पर बुलडोजर चलाया गया तो 'बुलडोजर' भाजपा और उसके फॉलोअर्स द्वारा इस्तेमाल की गई शब्दावली को दर्शाते हैं ङ्क हर एक शब्द इसके राजनीतिक विमर्श के विभिन्न पहलू का प्रतिनिधित्व करता है। 2020 में सुरेश चव्हाणके द्वारा संचालित सुदर्शन टीवी ने अपने शो 'बिंदास बोल-यूपीएससी जिहाद' के माध्यम से भारतीय सिविल सेवाओं में मुसलमानों की घुसपैठ की एक कथित साजिश को उजागर करने की मांग की। चव्हाणके ने एक्स पर हैशटैग #UPSCJihad के साथ शो का 48 सेकंड का ट्रेलर रिलीज़ किया था।

इसके तुरंत बाद, हैशटैग वायरल हो गया, जिससे सोशल मीडिया निगरानीकर्ताओं को एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने का उपकरण मिल गया। शो में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हस्तक्षेप करते हुए इसे 'आक्रामक, अच्छा नहीं और सांप्रदायिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाला करार दिया। जयराम रमेश ने कहा, 'क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि यूपीएससी जिहाद जैसा कोई शब्द है। तो आप क्या कहना चाह रहे हैं कि मुसलमानों को शिक्षित नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें परीक्षा में नहीं बैठने देना चाहिए। अब जिस भाषा का प्रयोग किया गया है वो अभूतपूर्व है। वाजपेयी के समय ऐसा नहीं था। यह भाषा अब हाशिए की भाषा नहीं रही। यह सामान्य हो गया है।'

किसी नेता द्वारा कही गई कोई भी बात तुरंत सोशल मीडिया पर राजनीतिक दलों के अकाउंट से वायरल हो जाती है। शब्द हैशटैग में बदल जाते हैं और इन राजनीतिक हैशटैग के काम करने के तरीके पर भी शोध किया गया है। 2022 में अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के प्रोफेसर पोन्नुरंगम कुमारगुरु, मिशिगन यूनिवर्सिटी के जोयोजीत पाल, शोधकर्ता अस्मित सिंह, जिवितेश जैन और ललिता कामेश्वर की एक टीम ने सितंबर 2021 और जनवरी 2022 के बीच हैशटैग्स का विश्लेषण किया। टीम ने हैशटैग को तीन प्रकार से बांटाः व्यक्तिगत नेताओं पर निजी हमले, नाम-पुकारना या पार्टी की विचारधारा की आलोचना करना और अंत में राजनीतिक दलों के कार्यों या उसके अभाव पर हमला करना।

सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (CSDS) के सहायक प्रोफेसर हिलाल अहमद ने कहा, लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। अगर गालियां और नारे राजनीति की भाषा हैं, तो लड़ो, शेक्सपियर ने आज अपनी पंक्तियों को दोहराया होगा। अरविंद केजरीवाल के 'यह सब मिले हुए हैं' से लेकर अखिलेश यादव के 'राहुल अच्छा लड़का है' तक, भारतीय राजनीतिक बातचीत अधिक चर्चापूर्ण और बोलचाल की होती जा रही है।

अहमद ने कहा कि सार्वजनिक शब्दकोष भारतीय राजनीति के चार आख्यानों से निकला है जो पिछले कुछ साल में विकसित हुए हैं। अहमद ने कहा, 'पहला नैरेटिव 1950 के दशक में था जब हर कोई समाजवाद के बारे में बात कर रहा था और यही राजनीति का प्रमुख नैरेटिव था। इसलिए हर राजनीतिक दल समाजवाद को लेकर किसी न किसी प्रकार की टिप्पणी करने में लगा हुआ है। यहां तक कि जनसंघ भी कहेगा कि वे समाजवाद के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

90 के दशक में समाजवाद, गरीबी हटाओ के नारे की जगह साम्यवाद बनाम धर्मनिरपेक्षता की भाषा ने ले ली। यह वही समय था जब बीजेपी नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने 'pseudo secular (छद्म धर्मनिरपेक्ष)' शब्द गढ़ा – धर्मनिरपेक्ष शब्द को वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की व्यंजना कहा। यह शब्द अभी भी वैचारिक स्पेक्ट्रम के दक्षिणपंथी पक्ष द्वारा धर्मनिरपेक्ष राजनीति को त्यागने के लिए उपयोग किया जाता है।

'90 के दशक के मध्य और 2000 के शुरुआती साल के बाद, समावेशन और बहिष्कार की राजनीति का तीसरा नैरेटिव आया, जिसमें न्याय का अधिकार, आम आदमी, नरेगा जैसे शब्द शामिल थे। अहमद ने कहा, फिर राष्ट्रवाद का नैरेटिव आया और शब्दावली हिंदुत्व-संचालित राष्ट्रवाद तक सिमट कर रह गई। लेकिन ये सभी शब्द राजनीतिक नैरेटिव से आए हैं। सार्वजनिक जीवन हमेशा राजनीति खेलने के तरीके से निर्धारित होता है।'

ट्रंप के अमेरिका में covfefe हर उस चीज़ के लिए एक रूपक बन गया जो उनकी पुरानी खुशहाल राजनीति का प्रतीक था, जैसे कि हैम्बरडर और बिगली, MAGA, ऑल्ट-राइट, एंटीफा, लॉक-हर-अप और ड्रेन-द-स्वैम्प. उनके युग ने अमेरिकियों को एक बिल्कुल नया शब्दकोष गढ़ा।

भाजपा इस शब्दाडंबर खेल में जीत रही है, इसका कारण यह नहीं है कि यह एकमात्र पार्टी है जिसके पास सब कुछ है। 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चुनाव प्रचार कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ तंज के लिए 'बाहिरगोट्टो' (बाहरी व्यक्ति) शब्द का इस्तेमाल किया था। तब से, जब भी बनर्जी यूपी में आईं, यह शब्द बीजेपी ने दोहराया। सोशल मीडिया पर इसे वायरल किया गया और आम लोगों की शब्दावली बनाया गया। 'खेला होबे' एक और सिक्का था जो 2021 के बंगाल चुनावों के दौरान विपक्ष की 'च्यूत्ज़पाह' की मुद्रा बन गया।

कम्युनिकेशन एक्स्पर्ट डॉ. आलोक ठाकोर ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि बीजेपी ने कुछ खास किया है। देश के किसी भी हिस्से में सत्ता में रहने वाला कोई भी व्यक्ति ऐसे शब्दों, जुमलों या नारों का इस्तेमाल कर रहा है जो लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। पहले, यह बड़े पैमाने पर मीडियेटर कम्युनिकेशन के जरिए से किया जाता था, लेकिन अब यह सीधे तौर पर किया जा रहा है।'

ठाकोर ने कहा कि महात्मा गांधी के शब्दों का उपयोग - स्वदेशी या स्वराज या सत्याग्रह केवल सरल शाब्दिक विकल्प नहीं थे, बल्कि भारत की आज़ादी और अंग्रेज़ों के खिलाफ एक राजनीतिक संदेश देते थे। इन शब्दों में अभ्यास का दृढ़ विश्वास था, लेकिन ये शब्द नारे अब भी गूंजते हैं। भारतीय दिमाग में स्वदेशी के अवशेष के बिना आत्मनिर्भर की कल्पना करना, संभव नहीं है।

1965 में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने सैनिकों और किसानों का मनोबल बढ़ाने के लिए 'जय जवान, जय किसान' के नारे का इस्तेमाल किया। यह जुमला लोकप्रिय हो गया और अभी भी राजनीतिक भाषणों, सार्वजनिक प्रवचनों, विरोध प्रदर्शनों और कार्यकर्ता इसका इस्तेमाल करते हैं। 1998 में पोखरण परीक्षण के बाद, अटल बिहारी वाजपेयी ने इसमें बदलाव करते हुए 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' जोड़ा। 2004 के संसदीय चुनावों में एनडीए सरकार की हार के पीछे कई कारणों में से एक के रूप में 'इंडिया शाइनिंग' जुमला जोड़ा. जवाहरलाल नेहरू के 'पहला सेवक' से लेकर पीएम मोदी के 'प्रधान सेवक' तक, भारतीय राजनीति में राजनीतिक बदलाव को जुमलों में कैद किया गया है। ठाकोर ने कहा, 'इंदिरा गांधी 'एकता और अखंडता' का निरंतर पालन करती थीं और आज आपके पास मोदी नारे गढ़ रहे हैं।'

चुनाव नज़दीक आते ही मुहावरों का चलन फिर से शुरू हो गया है। 'मोदी है तो मुमकिन है', 'मोदी की गारंटी', 'लखपति दीदी'- यह जुमले मीमवर्स, व्हाट्सएप ग्रुप और सार्वजनिक शब्दावली तक पहुंच गए हैं। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अध्यक्ष और पूर्व भाजपा नेता विनय सहस्रबुद्धे ने बदलते समय और सोशल मीडिया के आगमन के लिए बदलती भाषा को जिम्मेदार ठहराया।

सहस्रबुद्धे ने कहा, 'सोशल मीडिया की बदौलत लोग राजनीतिक रूप से अधिक सतर्क, सक्रिय और विचारशील हैं। लोगों में अभिव्यक्त करने की इच्छा होती है और धीरे-धीरे वे ऐसा करने की क्षमता हासिल कर रहे हैं. इसलिए नई शब्दावली उसी का प्रतिबिंब है।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

नूतन का अभिनंदन हो
प्रेम-पुलकमय जन-जन हो!
नव-स्फूर्ति भर दे नव-चेतन
टूट पड़ें जड़ता के बंधन;
शुद्ध, स्वतंत्र वायुमंडल में
निर्मल तन, निर्भय मन हो!
प्रेम-पुलकमय जन-जन हो,
नूतन का अभिनंदन हो!
प्रति अंतर हो पुलकित-हुलसित
प्रेम-दिए जल उठें सुवासित
जीवन का क्षण-क्षण हो ज्योतित,
शिवता का आराधन हो!
प्रेम-पुलकमय प्रति जन हो,
नूतन का अभिनंदन हो!

– फणीश्वरनाथ रेणु

चैत्र नवरात्रि आज से, घर-घर विराजेंगी माता

तीन राजयोग में होगा हिंदू नववर्ष का आरंभ, भक्त रखेंगे उपवास

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैदिक ज्योतिष अनुसार हर साल हिंदू नववर्ष और नव विक्रम संवत्सर की शुरुआत चैत्र नवरात्रि के प्रतिपदा दिन से होती है, जो कि इस साल 9 अप्रैल दिन मंगलवार से हो रही है। वहीं इस बार हिंदू नववर्ष पर 3 बेहद शुभ योग और राजयोग बन रहे हैं। जो है सर्वार्थ सिद्धि योग, गजकेसरी राजयोग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। जिससे अगला एक साल कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ रहेगा। साथ ही पूरी साल इन राशियों की धन- संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। नवरात्रि में देवी दुर्गा की पूजा के साथ ही मंत्र जप और ध्यान करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन को शांति मिलती है। इन दिनों में छोटी-छोटी कन्याओं को भोजन भी करना चाहिए। भोजन के बाद कन्याओं का पूजन करें। कन्याओं को लाल चुनरी ओढ़ाएं। दक्षिणा दें। पढ़ाई के लिए जरूरी चीजें भेंट करें। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नवरात्रि रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए। स्नान के बाद घर के मंदिर में पूजा करें। पूजा के साथ ही मंत्र जप और ध्यान भी जरूर करें। सुबह-सुबह किए गए जप और ध्यान से ऊर्जा और उत्साह बना रहता है। आलस दूर रहता है। ध्यान करने से शरीर को स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना की जाती है। चैत्र नवरात्रि का आरंभ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। नवरात्रि के पहले दिन शुभ मुहूर्त में ही घटस्थापना जिसे कलश स्थापना भी कहा जाता है की जाती है। मंगलवार 9 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 32 मिनट तक पंचक रहने वाले हैं।

पंजाब सीएम स्टार प्रचारक की भूमिका में आएंगे नजर

- हरियाणा से लेकर गुजरात तक करेंगे प्रचार, पार्टी ने बनाया प्रोग्राम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के सीएम भगवंत मान अब आम आदमी पार्टी (एएपी) के स्टार प्रचारक की भूमिका में नजर आएंगे। वह आज से ही पड़ोसी राज्य हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों में जाकर आप उम्मीदवारों के पक्ष में रैलियां व रोड शो करेंगे। इसके लिए पार्टी हाईकमान ने तैयारी कर ली है। इसके अलावा कुछ अन्य नेता भी उनके साथ रहेंगे।। इनमें पार्टी के सीनियर नेता संजय सिंह व राष्ट्रीय संगठन महासचिव डॉ. संदीप पाठक शामिल है। यह दौरे पूरे महीने चलेंगे। इसके साथ ही वह पंजाब के विधायकों व मंत्रियों से हलका वाइस मीटिंग कर चुनाव की रणनीति भी बना रहे हैं। सीएम भगवंत मान अब हरियाणा से लेकर गुजरात तक के दौरे करेंगे। पता चला है कि वह इंडिया के गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में रोड शो करेंगे। 8 अप्रैल को कुरुक्षेत्र में सीएम का प्रोग्राम है। यहां पर वह पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करेंगे। 12 और 13 अप्रैल को दिल्ली के प्रोग्राम में शिरकत करेंगे। 16 और 17 अप्रैल को गुजरात में प्रोग्राम रहेगा।

माधवी लता की सुरक्षा में 11 कमांडो तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी माधवी लता की सुरक्षा को केंद्र सरकार ने बढ़ा दिया। खुफिया

एजेंसी आईबी की रिपोर्ट के बाद सरकार ने माधवी लता की सिक्योरिटी में 11 कमांडो को तैनात किया है। माधवी लता सोशल मीडिया पर हिंदुत्व समर्थक के रूप में मशहूर हैं और तीन तलाक पर अपने बयानों के बाद चर्चा में आई थीं, जो अब हैदराबाद से एआईएमआईएम चीफ ओवैसी के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं।

अब नॉर्थ-ईस्ट न दिल्ली से दूर है, न दिल से दूर

- प्रधानमंत्री मोदी बोले-हमने कांग्रेस की पुरानी धारणा बदली

कहा-कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के साथ हमेशा सौतेला व्यवहार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजादी के बाद पूर्वोत्तर राज्य दशकों तक हाशिए पर रहे। कांग्रेस सरकारों ने यहां के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार किया। हमने इस धारणा को बदला कि पूर्वोत्तर बहुत दूर है। आज पूर्वोत्तर न दिल्ली से दूर है और न दिल से दूर है। पूर्वोत्तर ने दुनिया को दिखाया है कि जब नीयत सही होती है, तो नतीजे भी सही होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट की चुनौतियों और उससे निपटने के लिए केंद्र की पहल पर चर्चा की। उन्होंने असम में उग्रवाद, अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन के दावे, मणिपुर हिंसा, नगालैंड में राजनीतिक संघर्ष और मिजोरम में घुसपैठ की समस्या पर बात की। मोदी ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। मणिपुर हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति से संवेदनशीलता से निपटना होगा। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। पीएम ने बताया उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट के विकास के लिए क्या-क्या कदम उठाए।

मैं सिर उठाकर चलता हूं, धमकी से डरने वाला नहीं

- लाठी मारने वाली बात पर जगदलपुर में खूब दहाड़े पीएम मोदी

बस्तर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर से पीएम मोदी ने कहा कि मैं धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। भ्रष्टाचारियों को जेल भेजकर ही मानूंगा। पीएम मोदी ने रैली की शुरुआत अपने पुराने दोस्त बलिराम कश्यप को याद करते हुए की है। साथ ही वहां उमड़ी भीड़ को देखकर पीएम मोदी गदगद नजर आए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ही नहीं बनाएगी बल्कि विकसित भारत की आधारशिला भी रखेगी। लोगों के विश्वास के कारण पूरा देश कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों को हक दिया है। बस्तर संभाग से ही हमने आयुष्मान योजना की शुरुआत की थी। इससे गरीब को सस्ता इलाज मिलता है।

प्रथम शैलपुत्री

नवरात्रि उत्सव के दौरान मां दुर्गा के नौ विभिन्न रूपों का सम्मान एवं पूजा की जाती है। जिसे नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है। मां दुर्गा का पहला ईश्वरीय स्वरुप शैलपुत्री है। शैल का अर्थ है शिखर शास्त्रों में शैलपुत्री को पर्वत (शिखर) की बेटी के नाम से जाना जाता है।

फुस्सी बम लेकर चल रही है कांग्रेस : सीएम यादव

भोपाल। कांग्रेस पार्टी फुस्सी बम लेकर चल रही है। वे बम जला-जलाकर परेशान हैं, लेकिन फूट ही नहीं रहा है। उनके नेता राहुल गांधी आगे-आगे न्याय यात्रा लेकर चल रहे हैं, लेकिन पीछे-पीछे कांग्रेस का ही सफाया हो रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रदेशवासियों ने कांग्रेस को ऐसा चक्कर खिलाकर गिराया कि वे अब तक उठ ही नहीं पाए हैं। कांग्रेस कहती थी कि प्रदेश में हमारी सरकार बनाओ और जब उन्हें प्रदेश की जनता ने 2018 में मौका दिया तो वे भाग खड़े हुए। कांग्रेस ने झूठ बोलकर सरकार बनाई थी तो प्रदेश की जनता ने उन्हें सबक भी सिखा दिया। अब प्रदेश की जनता जानती है कि प्रधानमंत्री मोदीजी के मन में एमपी है तो एमपी के मन में मोदीजी हैं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे मुरैना लोकसभा की सबलगढ़ विधानसभा के ग्राम मामचोन में भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर एवं ग्वालियर लोकसभा के ग्राम कुलैठ एवं बड़ागांव में भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस ने आमंत्रण ठुकराया अब जनता इन्हें ठुकराएगी- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पहले कांग्रेस के लोग बसों में समा जाते थे, लेकिन अब तो उनकी स्थिति यह हो गई है कि वे अब टैम्पों में ही समा जाएंगे। उन्होंने कहा कि क्या गली, क्या मोहल्ला, क्या गांव और क्या शहर, हर तरफ मोदीमय माहौल है।

सबका विश्वास ही भाजपा की जीत है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा की जीत ही सबका विश्वास है। सबके विश्वास के कारण ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है। सरकार बनते ही कई ऐसे निर्णय भी लिए गए, जो देश के भविष्य के लिए कारगर साबित होंगे। प्रदेश की भाजपा सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया था कि युवाओं को पढ़ने के लिए एक्सीलेंस कॉलेज मिलना चाहिए और हर जिले में एक एक्सीलेंस कॉलेज खोलने का निर्णय लिया। इसमें युवाओं को कृषि सहित अन्य विषयों की शिक्षा दी जाएगी। इसके साथ ही मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने सबसे पहले शिक्षा नीति को लागू किया और अब नई शिक्षा नीति के तहत कॉलेजों, स्कूलों में पढ़ाई करवाई जा रही है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c

न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 09 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मिल रहे संकेत ! अब और ज्यादा ऐक्टिव होगी एनआईए की टीम

- गृह मंत्रालय का बड़ा कदम,34 लोक अभियोजक की नियुक्ति को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में कार्रवाई की। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस हंगामेदार ऐक्शन से पहले राज्यों में 34 विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। उनमें से आठ को पश्चिम बंगाल और सात को दिल्ली को आवंटित किया गया, जहां एनआईए का मुख्यालय है। गृह मंत्रालय से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है, केंद्र सरकार अदालतों में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से मामलों की पैरवी करने के लिए अधिवक्ताओं को तीन वर्ष की अवधि के लिए विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) के रूप में नियुक्त करती है। एसपीपी स्पेशल एनआईए कोर्टों और हाईकोर्टों में पैरवी करेंगे। नोटिफिकेशन में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मद्रास, मेघालय सहित अन्य राज्यों के लिए एसपीपी के नाम भी दिए गए हैं।

हिमाचल की राजनीति में अब बीफ की 'एंट्री'

शिमला (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हिमाचल में 'बीफ' पर राजनीति हो रही है। विपक्ष के नेता मंडी लोकसभा सीट पर बीजेपी की प्रत्याशी कंगना रनौत को इस मुद्दे पर घेर रहे हैं। हिमाचल के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना का नाम लिए बिना लिखा है कि हिमाचल प्रदेश देवी-देवताओं का पवित्र स्थल है। यह देवभूमि है, जहां गोमांस का सेवन करने वाले चुनाव लड़ें, यह हमारी संस्कृति के लिए चिंता का विषय है, जिसका राजनीति से कोई सरोकार नहीं है। कंगना ने अब इस मुद्दे पर जवाब दिया है। कंगना रनौत ने कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा है कि मैं गोमांस या किसी अन्य प्रकार के लाल मांस का सेवन नहीं करती। यह शर्मनाक है कि मेरे बारे में पूरी तरह से आधारहीन अफवाहें फैलाई जा रही हैं। मैं दशकों से योगिक और आयुर्वेदिक जीवन शैली की वकालत और प्रचार कर रही हूं। इस तरह की अफवाहे मेरी छवि खराब नहीं कर सकती।

महाराष्ट्र में 'संजय' के निशाने पर 'संजय', जमकर किया वार

संजय निरूपम ने संजय राउत को बताया खिचड़ी चोर

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व नेता संजय निरुपम ने शिवसेना (यूबीटी) नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने सोमवार को कोविड के दौरान हुए खिचड़ी घोटाले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने संजय राउत को खिचड़ी चोर बताते हुए कहा कि मुझे दुख है कि मैं अपने मित्र के बारे में कुछ कहने जा रहा हूं। इस पूरे खिचड़ी घोटाले के सूत्रधार शिव सेना (यूबीटी) प्रवक्ता संजय राउत हैं। इस घोटाले में उन्होंने अपनी बेटी, भाई और पार्टनर के नाम पर पैसे लिए हैं।

कांग्रेस किसे देगी 50 फीसदी आरक्षण, जनता को बता तो दे

- मुस्लिम लीग वाला घोषणा पत्र बताकर बरसे जेपी नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया है कि यदि उसकी सरकार केंद्र में बनती है तो फिर जातिगत आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को खत्म किया जाएगा। इसके अलावा अल्पसंख्यकों को पहनावे, खानपान और उनके पर्सनल लॉ गारंटी दी जाएगी। अब उसके इन वादों को लेकर भाजपा फायर हो रही है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि मैं तो कांग्रेस का घोषणा पत्र देखकर हैरान हूं। सोमवार को उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में मुस्लिम लीग वाली मानसिकता दिखा दी है। उसे इन वादों पर जवाब तो देना ही होगा। जेपी नड्डा ने कहा, आखिर कांग्रेस 50 पर्सेंट से ज्यादा का आरक्षण देने की बात किसके लिए कर रही है। इन्होंने अपनी सरकार के दौरान देश के बहुसंख्यक समुदाय के खिलाफ ऐसा कानून बनाया था, जो लोगों को जेल में डालने वाला था। यह कानून संसद में पारित नहीं हो सका था। अब जिस आरक्षण की बात कांग्रेस कर रही है, वह किसके लिए है और क्यों है। यह कांग्रेस को बताना ही होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। हम तो उनका घोषणापत्र देखकर हैरान हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एकदम मुस्लिम लीग वाली मानसिकता दिखा दी है। उन्होंने कहा कि वायनाड में जब राहुल गांधी नामांकन के लिए पहुंचे तो वहां कांग्रेस के झंडे भी नहीं था। ऐसा क्यों किया गया, यह कांग्रेस नहीं बताएगी। ऐसा इसलिए हुआ ताकि मुस्लिम लीग को बुरा न लग जाए। आखिर तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस किस हद तक गिरेगी। बता दें कि पीएम ने भी इससे पहले एक रैली को संबोधित करते हुए था कि कांग्रेस के मेनिफेस्टो में मुस्लिम लीग और वामपंथियों की छाप दिखती है।

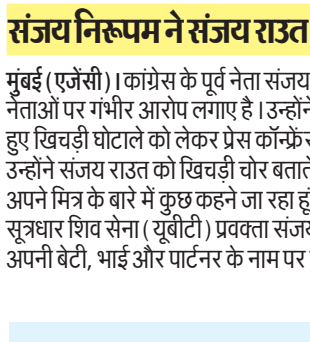

केंद्र और राज्यों के बीच न हो किसी तरह की प्रतिस्पर्धा

सामने आई सुप्रीम चिंता,दनादन कोर्ट पहुंच रहीं राज्य सरकारें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच किसी तरह की कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होनी चाहिए। सूखा राहत फंड जारी करने के विवाद पर कर्नाटक सरकार की एक याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ये टिप्पणी की है। इससे पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार से कर्नाटक सरकार की याचिका पर जवाब देने को कहा था। कर्नाटक राज्य बनाम भारत संघ और अन्य के मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि कई राज्य सरकारें अब शीर्ष अदालत का रुख कर रही हैं। इसलिए इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि संघ और राज्य के बीच कोई प्रतिस्पर्धा ना हो। जस्टिस गवई और जस्टिस मेहता की खंडपीठ कर्नाटक सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि केंद्र सरकार कर्नाटक में सूखे की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार को वित्तीय सहायता नहीं दे रही है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि उसे मजबूरी में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा है क्योंकि केंद्र सरकार सूखा राहत फंड देने में कथित तौर पर मनमानी कर रही है, जिससे कर्नाटक के लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। राज्य सरकार ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम की रिपोर्ट पर अभी तक कार्रवाई नहीं की है, जबकि रिपोर्ट जमा किए छह महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। कांग्रेस शासित राज्य ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि केंद्र द्वारा राज्य को राष्ट्रीय आपदा राहत कोष के लाभों को रोकने के कारण राज्य की स्थिति और खराब हो गई है।

केसीआर की बेटी कविता की जमानत याचिका खारिज

दिल्ली शराब घोटाले के आरोप में जेल में बंद हैं बीआरएस नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाले में जेल में बंद केसीआर की बेटी के कविता की जमानत याचिका खारिज हो गई है। राउज एवेंन्यू कोर्ट ने आज मामले में सुनवाई में यह फैसला सुनाया। बीआरएस एमएलसी के कविता ने अपने बेटे की स्कूल परीक्षाओं को आधार बनाकर अंतरिम जमानत मांगी थी। बता दें कि शराब घोटाला मामले में वो ईडी की रिमांड के बाद न्यायिक हिरासत में हैं। इससे पहले राउज एवेंन्यू कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले की आरोपी के कविता की अंतरिम जमानत याचिका पर 4 अप्रैल को सुनवाई कर ली थी। कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा था। आज अदालत ने कविता की जमानत अर्जी खारिज कर दी। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में हाल ही में दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई है। इससे पहले मनीष सिसोदिया, सतेंद्र जैन की भी गिरफ्तारी हो चुकी है।

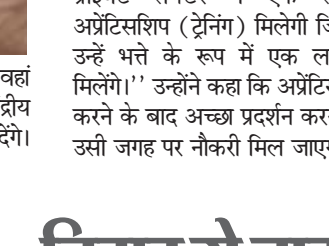

युवाओं को एक साल अप्रेंटिस का वादा, स्कॉलरशिप दोगुनी करेंगे

- राहुल गांधी ने फिर किए बड़े वादे,कहा-महिलाओं को एक लाख रुपए देंगे सालाना

शहडोल (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को मध्य प्रदेश के सिवनी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस की जीत का भरोसा जताया और महिलाओं को सालाना एक लाख रुपए देने का वादा किया। उन्होंने कहा, नई सरकार आने पर एससी, एसटी और पिछड़े वर्ग की महिलाओं के खातों में सालाना 1 लाख रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे।

सिवनी जिले के धनोरा में एक रैली को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा, हमारे घोषणापत्र में तीन से चार क्रांतिकारी कदमों का जिक्र किया गया है जिसमें एससी, एसटी, पिछड़ा और गरीब परिवारों को महिलाओं को एक लाख रुपए दिया जाना शामिल है। कांग्रेस ने मंडला सीट से पूर्व मंत्री और विधायक ओमकार सिंह मरकाम को मैदान में उतारा है। वहां यहां बीजेपी के मौजूदा सांसद और केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को टक्कर देंगे। रैली को संबोधिक करते हुए कांग्रेस ने आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भी सैलरी दोगुनी करने का वादा किया है। राहुल गांधी ने कहा, केंद्र में सरकार बनाने के बाद हम कॉन्ट्रैक्ट पर नौकरी देने का सिस्टम खत्म करेंगे और सरकारी क्षेत्र में 30 लाख भर्तियां निकालेंगे। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करने के लिए एक नया कानून भी लाएंगे कि देश के प्रत्येक बेरोजगार युवा को पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में एक साल की अप्रेंटिसशिप (ट्रेनिंग) मिलेगी जिस दौरान उन्हें भत्ते के रूप में एक लाख रुपये मिलेंगे।'' उन्होंने कहा कि अप्रेंटिसशिप पूरी करने के बाद अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें उसी जगह पर नौकरी मिल जाएगी।

5 करोड़ कैश और 106 किलोग्राम ज्वेलरी बरामद

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर तेज होती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच तमाम दल चुनावी मुद्दों के साथ जनता के बीच जा रहे हैं। पार्टियां शक्ति प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं, चुनाव आयोग और पुलिस की टीम आचार संहिता के तहत देश भर में नजर रखे हुए हैं। कर्नाटक में पुलिस को छापेमारी के दौरान बेहिसाब दौलत मिली है। पुलिस ने यहां से 5 करोड़ कैश और 106 किलोग्राम ज्वेलरी की बरामदगी की। चुनाव के बीच कर्नाटक में बड़ी छापेमारी करते हुए पुलिस ने एक ज्वेलरी शॉप के मालिक के घर से 5.60 करोड़ रुपये कैश, 3 किलो सोना, 103 किलो चांदी के आभूषण और 68 चांदी की छड़ें जब्त कीं। यह छापेमारी कर्नाटक के बेल्लारी शहर में की गई है।

देश में अब गर्मी वाले दिनों की बारी

जल्द शुरू होगा 40 डिग्री वाला टॉर्चर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश समेत देश के बड़े हिस्से में गर्मी बढ़ती जा रही है। यूपी के बुंदेलखंड में तो अधिकतम तापमान अभी से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने लगा है। वहीं दिल्ली एनसीआर में फिलहाल अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है। फिलहाल मामूली राहत है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले एक सप्ताह में चुनौती बढ़ने वाली है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के इलाके में भी तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। खासतौर पर दोपहर के वक्त गर्मी ज्यादा हो सकती है और बाहर निकलकर काम करने वाले लोगों को समस्या होगी। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 15 अप्रैल के आसपास तापमान में तेजी से इजाफा होगा और यह 40 डिग्री के करीब होगा। यदि तापमान 35 के आसपास रहता है तो ज्यादा गर्मी महसूस नहीं होती, लेकिन 40 से ऊपर बढ़ता स्तर चिंता भी बढ़ाने लगता है। हालांकि इस बीच राहत की एक खबर है कि एक बार फिर से पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिलेगा और 13 से 15 अप्रैल के दौरान बारिश शुरू होगी। यह बारिश जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में होगी। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश में भी बारिश होगी। दरअसल मौसम विभाग ने दो पश्चिमी विक्षोभ का अनुमान जताया था। इसके मुताबिक उत्तर पश्चिम भारत में पहला पश्चिमी विक्षोभ 1 से 10 अप्रैल तक सक्रिय होगा। वहीं दूसरा विक्षोभ 13 से 15 अप्रैल के दौरान सक्रिय होगा। इस तरह 15 अप्रैल तक कई राज्यों में गर्मी कम रहेगी, लेकिन कुछ इलाकों में उससे पहले ही बढ़ सकती है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों में भी तापमान में इजाफा होगा।

तिहाड़ से बाहर निकले संजय सिंह को फिर लगा झटका

सुप्रीम कोर्ट ने पीएम मोदी डिग्री मामले में खारिज की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। 3 अप्रैल को आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह तिहाड़ जेल से बाहर आए। कथित शराब घोटाले में ईडी ने उन्हें छह महीने पहले गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस मामले में कुछ शर्तों के साथ बेल दी है। ऐसे में अब संजय सिंह को देश की सबसे बड़ी अदालत से एक झटका लगा है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने गुजरात की एक अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती दी थी। यह पीएम मोदी डिग्री से जुड़ा मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर सवाल उठाने के मामले में आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ जारी मानहानि समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। संजय सिंह ने गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा दायर मानहानि मामले में गुजरात की एक अदालत द्वारा जारी समन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। दरअसल, गुजरात हाई कोर्ट ने पीएम मोदी की डिग्रियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के आदेश को रद्द कर दिया था।

मोदी फिर सत्ता में लौटे तो जेल में होंगे सारे विपक्षी नेता

- ममता बनर्जी का बड़ा हमला, कहा-यही उनकी गारंटी का मतलब है

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यदि तीसरी बार सत्ता में लौटे तो विपक्ष के सारे नेताओं को जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 4 जून के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने के वादे का मतलब है कि विपक्षी नेताओं को लोकसभा चुनाव के बाद सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। देश में लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है और सात चरणों में होने वाले मतदान की शुरुआत 19 अप्रैल को पहले चरण से होगी जबकि चार जून को मतगणना होगी। बांकुरा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि एनआईए की टीम स्थानीय पुलिस को सूचित किए बिना पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर गई थी। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री चुनावी सभा को संबोधित करने पश्चिम बंगाल आ रहे हैं। मुझे इससे कोई समस्या नहीं है, लेकिन जिस तरह से वह कह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भ्रष्टाचार को लेकर विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, वह अस्वीकार्य है।'

हमास के लिए ईद पर मिठास में बदलेगी जंग !

सैनिकों को बुलाने के बाद इजरायल का एक और फैसला

तेल अवीव (एजेंसी)। क्या ईद से पहले पश्चिम एशिया यानी अरब देशों में चल रही जंग रिश्तों की मिठास में तब्दील होगी। इजरायल की ओर से गाजा पट्टी से सैनिकों को वापस बुलाए जाने के बाद यह सवाल उठ रहा है। अक्टूबर से जारी जंग को 6 महीने बीत चुके हैं और रविवार को इजरायल ने अचानक ही दक्षिणी गाजा से सैनिकों को वापस बुला लिया। इजरायल के डिफेंस मिनिस्टर योआव गैलंट ने इसकी जानकारी दी थी और कहा था कि हमास राफा में हमला कर सकता है। ऐसे में उसकी तैयारी और भविष्य की तैयारियों के लिहाज से यह फैसला लिया गया है। इजरायल का कहना है कि उसने दक्षिणी गाजा में अब बस एक ही ब्रिगेड को छोड़ा है। इस बीच एक उम्मीद की किरण भी जगी है क्योंकि इजरायल और हमास दोनों ने ही अपने एक प्रतिनिधिमंडल को मिस्र भेजा है ताकि नए दौर की वार्ता हो सके। इसी वजह से कहा जा रहा है कि ईद के मौके पर पश्चिम एशिया में मिठास घुल सकती है। इजरायल पर हमास ने 7 अक्टूबर को भीषण हमला कर दिया था, जिसमें 1200 लोग मारे गए थे। इसके अलावा करीब 250 लोगों को अगवा कर लिया गया था। इसके बाद से ही इजरायल की ओर से लगातार फिलिस्तीन के गाजा और पश्चिमी बैंक के भी एक हिस्से पर हमले किए जा रहे थे। बेंजामिन नेतन्याहू सरकार की ओर से सैनिकों की वापसी के बाद अब खान यूनिस शहर में फिलिस्तीनियों की वापसी शुरू हो गई है। अब तक शेल्टर होम में ठहरे लाखों लोग अस्थायी आशियानों के लिए लौटने लगे हैं। लेकिन शहर पूरी तरह धूल धूसरित हो चुका है। हर तरफ मलबा है और कई जगहों पर तो सड़ती हुई लाशों की दुर्गंध तक आ रही है। दरअसल यही खान यूनिस शहर हमास के गाजा चीफ याहया सिनवार का गढ़ रहा है। कहा जाता है कि वह यहीं का रहने वाला था। इजरायल का कहना है कि 7 अक्टूबर के हमले का मास्टरमाइंड याहया सिनवार ही है। हालांकि इजरायल का कहना है कि अब भी अहम मोर्चों पर उसकी सेनाएं तैनात रहेंगी।

स्कूली बच्चों को भरोसा, भारत बनेगा दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति

अनुच्छेद 370, तीन तलाक, गुलाम कश्मीर जैसे विषयों पर स्कूली बच्चों ने खुलकर रखें अपने विचार

मोदी सरकार के पिछले दस वर्षों के कामों पर आयोजित हुआ भारत भाग्य विधाता कार्यक्रम

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दस वर्षों में किए कार्यों के बारे में देश के भविष्य यानी स्कूली छात्र-छात्राएं क्या सोचते हैं। स्कूली बच्चों ने एक देश-एक चुनाव, अनुच्छेद 370, तीन तलाक, आयुष्मान योजना से लेकर गुलाम कश्मीर और अक्साई चीन जैसे विषयों पर खुलकर विचार रखें। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में रविवार को महापौर द्वारा भारत भाग्य विधाता कार्यक्रम बच्चों ने देश के प्रधानमंत्री से अपनी अपेक्षाएं भी साझा की। आयोजन में 30 स्कूलों के सातवीं से नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थी शामिल थे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मुझे इस बात का पूरा विश्वास है, जैसे लकड़ी के चूल्हे को गैस के चूल्हे में बदलने का विचार निकला था, ठीक उसी प्रकार से आज इस सदन से ज़रूर ऐसा विचार निकलकर आएगा, जो देश के सर्वोच्च सदन को कोई विषय देगा। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में जो चर्चा की है, उसे आगामी समय में साकार भी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लेखिका ज्योति जैन, वरिष्ठ पत्रकार राजा शर्मा आदि मौजूद थे।प्रधानमंत्री मोदी के भारत की बात देश के भविष्य के साथ विषय पर आयोजित कार्यक्रम में 150 से ज्यादा बच्चों ने अपने विचार रखे। डेली कालेज के छात्रों के द्वारा पीएम मोदी को विजनरी लीडर की संज्ञा देते हुए इस बात पर विश्वास भी जताया कि आगामी समय में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति होगा। चंद्रयान ने जहां देश का मान बढ़ाया, वहीं कोरोना के दौरान दुनिया की मदद कर देश को दुनिया में एक अलग स्थान दिलाया। भारत ने कोविड काल में मेडिकल क्षेत्र में आमूलचूल आविष्कार किए।दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्रों ने बात रखते हुए कहा कि वैसे तो मोदी सरकार की कई उपलब्धियां हैं, जिसे सिर्फ तीन मिनट में कहना आसान नहीं है। मोदी सरकार ने टैक्स सिस्टम बेहतरीन करने के साथ भ्रष्टाचार को भी कम किया है। एमरल्ड हाइट्स स्कूल के छात्रों ने कहा कि भारत में आज आर्थिक विकास के साथ सामाजिक विकास हुआ है। मोदी सरकार के कई कदम है, जो भारत को सोने की चिड़िया बनाते हैं।लेखिका ज्योति जैन ने कहा कि छोटी-छोटी असफलता से निराश नहीं होना चाहिए। यह आवश्यक नहीं है कि हर चीज आपके अनुकूल हो। आप देश का भविष्य है, आप पर बड़ी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का प्रथम पुरस्कार एनडीपीएस स्कूल को प्राप्त हुआ।

खंडवा रोड स्थित ओखलेश्वर धाम पर हनुमान प्राकट्योत्सव 19 अप्रैल से

- शहर के अनेक रामायण संगठन होंगे शामिल
- ओखलेश्वर धाम का उल्लेख अनेक पौराणिक ग्रंथों में भी मिलता है

इंदौर। मालवांचल के तीर्थ स्थल के रूप में देश-विदेश में प्रतिष्ठित अखिलेश्वर धाम, ओखलेश्वर पर 19 से 23 अप्रैल तक हनुमानजी के प्राकट्योत्सव का दिव्य आयोजन धूमधाम से मनाया जाएगा। महोत्सव का यह 71वां वर्ष होगा। इस दौरान श्रीराम मारुति महायज्ञ विमलपुरा, जयपुर के आचार्य पंडित चिरंजीवलाल शास्त्री के आचार्यत्व में होगा। महोत्सव में शहर के अनेक रामायण मंडल एवं अन्य धार्मिक संगठनों से जुड़े श्रद्धालु शामिल होंगे।मंदिर के पुजारी पं. सुभाष चंद्र पुरोहित एवं भक्त मंडल के स्वरूप मथुरावाला ने बताया मंदिर पर वर्ष 1976 से साकेतवासी बाबा ओंकार प्रसाद पुरोहित की सदप्रेरणा से यहां रामचरितमानस अखंड पारायण यज्ञ निर्बाध गति से जारी है। अखंड पाठ के 48 वर्ष पूर्ण होने पर ट्रांस ओसियाना वर्ल्ड रिकॉर्ड (अमेरिका) एवं वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज इस पवित्र धर्मस्थल पर अखिलेश्वर धाम सेवा समिति की मेजबानी में श्रीराम मारुति महायज्ञ का शुभारंभ 19 अप्रैल को सुबह दशविध स्नान, नांदीश्राद्ध, जल यात्रा, मंडप प्रवेश एवं मंडल स्थापना के साथ होगा।20 अप्रैल को देव पूजन, अरणी मंथन, अग्नि स्थापना के साथ स्वाहाकार की मंगल ध्वनि शुरू हो जाएगी।

23 अप्रैल मंगलवार को सुबह सहस्त्रधारा अभिषेक, चोलावरण, श्रृंगार, 56 भोग के साथ पूर्णाहूति होगी। विशाल भंडारा भी होगा। शहर के अनेक धार्मिक सामाजिक संगठन एवं रामायण मंडल से जुड़े श्रद्धालु प्रतिदिन इस महोत्सव में शामिल होंगे। ओखलेश्वर धाम का उल्लेख अनेक पौराणिक ग्रंथों में भी मिलता है। शिव लीलामृत की कथा के अनुसार यह स्थान चारों युगों में अति पावन माना गया है, जिसकी पुष्टि यहां मिले शिलालेख से भी होती है।

बहन से मिलने इंदौर आया डकैत सोमला का साथी गिरफ्तार, लंदन विलाज डकैती में था शामिल

इंदौर। चर्चित लंदन विलाज डकैती कांड में फरार डकैत सोमला के एक साथी को सोमवार को बाणगंगा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपित अपनी बहन से मिलने के लिए गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र स्थित झुग्गी झोपड़ी में आया था। इसी दौरान सूचना पर पुलिस पहुंची और उसे पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, राजेश उर्फ थावरिया बघेल (28) को पकड़ा है। यह लंदन विला डकैती में शामिल था, जिसकी लंबे समय से तलाश की जा रही थी। हमारी एक टीम आलीराजपुर जिले में ही आरोपितों की तलाश कर रही है। वहीं से हमें सूचना मिली थी कि आरोपित राजेश बहन से मिलने के लिए आया है। आरोपित से पूछताछ की जा रही है। इससे पूछताछ में सोमला का भी पता लग सकता है।

ब्राउन शुगर के साथ आरोपित गिरफ्तार

सोमवार को क्राइम ब्रांच व थाना बाणगंगा को न्यू विजय नगर चौराहे पर चेकिंग के दौरान पैदल जा रहा एक संदिग्ध दिखा। पुलिस को देख वह भागने लगा तो घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। आरोपित का नाम मनीष उर्फ मोंटू जयसवाल निवासी महेश यादव नगर है। उसके पास से 20 ग्राम ब्राउन शुगर मिली है।

कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम के खिलाफ चुनाव आयोग को शिकायत

इंदौर। इंदौर लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी डॉ.अक्षय कांति बम के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत हुई है। शिकायत भाजपा के पूर्व नगर संयोजन विधि प्रकोष्ठ एवं एडवोकेट पंकज वाधवानी ने की है। शिकायत में कहा है कि 8 अप्रैल 2024 को इंदौर में प्रकाशित व प्रसारित होने वाले समाचार पत्रों में कांग्रेस प्रत्याशी ने अपना पंपलेट प्रसारित किया है। इस पंपलेट पर प्रकाशक का नाम, प्रसार संख्या इत्यादि की कोई जानकारी नहीं दी गई। यह निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।

अगले सत्र में प्रवेश से पहले कॉलेजों से पाठ्यक्रम-फीस व सीटों के बारे में पूछा

उच्च शिक्षा विभाग ने प्रबंधन को दिए निर्देश, ई-प्रवेश पोर्टल पर डाटा होगा अपलोड

इंदौर। आगामी सत्र को लेकर प्रवेश से जुड़ी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है और कालेजों से पाठ्यक्रम, सीट संख्या और फीस के बारे में पूछा है। प्रबंधन को यह जानकारियां अगले 15 से 20 दिनों में विभाग को भेजना है। कालेजों से डाटा प्राप्त होने के बाद ई-प्रवेश पोर्टल पर जानकारी अपलोड की जाएगी। यह काम सरकारी और निजी कालेजों दोनों को करना है। साथ ही प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों से भी संबद्धता प्राप्त कालेजों की सूची मांगी है। अधिकारियों के मुताबिक, डाटा आने के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। रजिस्ट्रेशन के लिए मई-जून के बीच लिंक खुलेंगी।2024-25 सत्र के लिए कई कालेजों ने कुछ नए पाठ्यक्रम और सीट संख्या में वृद्धि हुई है। यहां तक कि कुछ नए कालेज भी शुरू हुए है। ज्यादातर कालेजों में कला-वाणिज्य के अलावा विज्ञान संकाय से जुड़े पाठ्यक्रम भी संचालित करने को अनुमति मिली है। यहां तक कि संबंधित विश्वविद्यालय से संबद्धता भी जारी की गई है। अब उच्च शिक्षा विभाग ने कालेजों से पाठ्यक्रम का ब्यौरा मांगा है, जिसमें सीट संख्या और फीस की जानकारी भी देना है।ई-प्रवेश पोर्टल पर डाटा अपलोड करने से पहले विश्वविद्यालय को संबद्धता प्राप्त कालेजों की सूची देना होगी। उसके बाद ही कालेजों को प्रवेश प्रक्रिया से जोड़ा जा सकेगे। वैसे इन दिनों प्रदेशभर में 1390 सरकारी और निजी कालेज है। यहां पारंपरिक यूजी-पीजी पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले करीब 10 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राएं है। अधिकारी के मुताबिक, कालेजों को पांच से सात बिंदुओं पर जानकारी तैयार कर भेजना है।

कम हुए 80 कॉलेज

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दायरे में कालेजों की संख्या घट गई है। पहले पारंपरिक और व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित करने वाले 240 कालेजों आते थे, लेकिन इस सत्र से खरगोन में टाट्या मामा विश्वविद्यालय बनने से करीब 80 कालेजों वहां शामिल हो चुके है। अब विश्वविद्यालय के पास 160 कालेजों है। यहां करीब दो लाख छात्र-छात्राएं पढ़ते है। कालेज अलग होने से विश्वविद्यालय को आर्थिक नुकसान भी हुआ है, क्योंकि परीक्षा फीस और संबद्धता शुल्क की राशि नहीं मिलेगी।

इंदौर में संवेदनशील बूथों पर तैनात होंगे माइक्रो आब्जर्बर, मतदान गतिविधियों पर रखेंगे नजर

इंदौर। लोकसभा चुनाव में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए माइक्रो आब्जर्बर नियुक्त किए जाएंगे। आब्जर्बर केंद्र शासन या केंद्र शासन के उपक्रम के कर्मचारियों को ही बनाया जा सकेगा। किसी जिले में कर्मचारी नहीं होने पर पड़ोसी जिले से केंद्र शासन के कर्मचारी लेकर नियुक्ति करनी होगी। यह आब्जर्बर मतदान से लेकर मतदान समाप्ति तक प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे। संवेदनशील बूथों पर लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए वेबकास्टिंग या सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक संवेदनशील बूथ पर माइक्रो आब्जर्बर भी तैनात होंगे।

आयोग के निर्देशों के मुताबिक, माइक्रो आब्जर्बर संवेदनशील बूथों पर मतदान के दिन की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे। वे मतदान के दिन सामान्य प्रेक्षक के निरंतर संपर्क में रहेंगे और मतदान को प्रभावित करने वाली प्रत्येक गतिविधि की सूचना सीधे मोबाइल या वायरलेस या संचार के अन्य किसी साधन से सामान्य प्रेक्षक को देंगे। मतदान समाप्ति के बाद माइक्रो आब्जर्बर निर्धारित प्रारूप में अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सामान्य प्रेक्षकों को ही सौंपेंगे।

अपने निर्वाचन क्षेत्र के केंद्र पर तैनात नहीं हो सकेंगे

भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार माइक्रो आब्जर्बर केंद्र शासन के या केंद्र शासन के उपक्रमों के कर्मचारियों को बनाया जा सकेगा। ये कर्मचारी ग्रुप सी से निम्न नहीं होंगे। ऐसे कर्मचारी माइक्रो आब्जर्बर के रूप में अपने निवास के जिले में मतदान केंद्रों पर नियुक्त किए जा सकेंगे। हालांकि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के केंद्र पर तैनात नहीं हो सकेंगे। मतदान कर्मियों की तरह माइक्रो आब्जर्बर की मतदान केंद्र पर तैनाती भी रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया से होगी। उन्हें भी डाकमत पत्र अथवा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट से मतदान की सुविधा दी जाएगी।

पेट्रोल पंप पर खड़ी युवती का पर्स लूटा

इंदौर। शहर में लूट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर खड़ी एक युवती का पर्स बदमाश लूट ले गए। पुलिस को रंजना यादव निवासी पोरवा जिला अमेठी (उत्तर प्रदेश) ने बताया कि वह भारत पेट्रोल पंप पर खड़ी हुई थी। इसी दौरान बाइक पर दो बदमाश आए और हाथ से पर्स छीनकर भाग गए। पर्स में दो मोबाइल सहित अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की।

इंदौर स्वास्थ्य विभाग ने एंबुलेंस की आडिट रिपोर्ट नहीं भेजी, राज्य शासन ने दो दिन में मांगा प्रतिवेदन

इंदौर। शहर में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की लापरवाही का आलम यह है कि यहां हर माह मरीजों की सुविधाओं के लिए संचालित एंबुलेंस की आडिट रिपोर्ट तक नहीं भेज रहे हैं। इसके लिए अब राज्य शासन ने निर्देश दिया है कि दो दिन में शहर में स्वास्थ्य विभाग की संचालित सभी एंबुलेंस की आडिट रिपोर्ट तैयार कर भेजें। दरअसल, शहर की एंबुलेंस व्यवस्था की पोल तब खुली थी, जब कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत के काफिले में एंबुलेंस लगाई गई थी। इस दौरान उनके साथ मौजूद नातिन की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। तब एंबुलेंस में डाक्टर ही मौजूद नहीं था। आक्सीजन नहीं होने की बात भी सामने आई थी।

प्रोटोकाल अधिकारी को निलंबित करने की कार्रवाई की गई थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा एंबुलेंस सुविधा को लेकर किए जा रहे दावों की पोल खोल दी थी।भोपाल से निर्देश आया है कि सभी पीएचएम अपने-अपने जोन की एंबुलेंस की आडिट रिपोर्ट दो दिन में भेजना सुनिश्चित करें। इधर, जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी डा. मनीषा पंडित का कहना है कि हमारे द्वारा हर माह एंबुलेंस का आडिट किया जाता है। इसकी रिपोर्ट भी भेजी जाती है। भोपाल से ऐसा कोई निर्देश नहीं आया है। यह सामान्य प्रक्रिया है।

इंदौर के एमओजी लाइंस क्षेत्र में निगम की कार्रवाई के दौरान विवाद, जेसीबी के आगे खड़ी हो गईं महिलाएं

इंदौर। शहर के एमओजी लाइंस क्षेत्र में सोमवार सुबह उस वक्त हंगामा मच गया जब नगर निगम और प्रशासन का अमला चार मकानों को तोड़ने पहुंचा। इन मकानों में से एक खाली था जबकि तीन में परिवार रह रहे थे। रिमूवल टीम को देखकर ये परिवार आक्रोशित हो गए और उन्होंने विरोध शुरू कर दिया। महिलाएं और बच्चे निगम की जेसीबी के आगे आकर खड़े हो गए।

इस बीच सूचना मिलते ही कांग्रेस के नेता भी मौके पर पहुंच गए। इंदौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय कांति बम कार्रवाई के विरोध में जेसीबी पर चढ़ गए। जमकर विरोध के बाद प्रशासन और निगम का अमला रहवासियों को आठ दिन का समय देकर लौट गया। जिस जमीन पर ये मकान बने हैं वह स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में शामिल हैं। स्मार्ट सिटी सीइओ दिव्यांक सिंह के मुताबिक, इन मकानों के संबंध में एसडीएम कोर्ट से बेदखली के आदेश भी जारी हुए हैं। ये मकान भूतपूर्व सैनिकों के नहीं हैं। इनमें रहने वालों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास आवंटित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद ये लोग मकान खाली नहीं कर रहे हैं।

रहवासियों ने बताया कि प्रशासन ने हमें शनिवार को ही नोटिस दिए हैं। इसके बाद सोमवार सुबह कार्रवाई शुरू कर दी गई। यह गैरकानूनी है। निगम की टीम को देखकर बड़ी संख्या में महिलाएं भी विरोध में उतर आईं। पुलिस ने पहले तो मौके पर जमा भीड़ को खदेड़ा। इसके बाद प्रदर्शन कर रहे परिवारों से चर्चा शुरू हुई। रहवासियों का कहना था कि जान-बूझकर शनिवार को नोटिस दिया गया था ताकि हम कोर्ट तक न पहुंच सके। स्मार्ट सिटी सीइओ सिंह ने बताया कि वर्ष 2018 में शासन ने एमओजी लाइंस स्थित 16.413 हेक्टेयर जमीन इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड को हस्तांतरित करने की स्वीकृति दी थी।

चुनावी ड्यूटी में नियुक्त कर्मचारियों को दुर्घटना पर मिलेगी लाखों रुपये अनुग्रह राशि

इंदौर। निर्वाचन कार्य के दौरान दुर्घटना होने पर अनुग्रह राशि दी जाएगी। चुनाव आयोग ने मृत्यु या गंभीर चोट के मामले में मतदानकर्मियों के परिजनों को अनुग्रह राशि का प्रविधान किया है। इसमें चुनाव संबंधी सभी प्रकार की ड्यूटी में तैनात लोगों को शामिल किया गया हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि किसी व्यक्ति को प्रशिक्षण सहित किसी भी चुनाव संबंधी कार्य के लिए रिपोर्ट करने के लिए निवास, कार्यालय छोड़ते ही चुनाव ड्यूटी पर होना माना जाएगा। कार्य संपन्न कर घर पहुंचने पर ही ड्यूटी खत्म मानी जाएगी। यदि इस अवधि के दौरान कोई दुर्घटना होती है, तो इसे चुनाव ड्यूटी पर हुई घटना के रूप में माना जाएगा।इसमें सभी कार्मिक, सीएपीएफ, एसएपीएस, राज्य पुलिस, होम गार्ड के सभी सुरक्षाकर्मी, कोई भी निजी व्यक्ति जैसे ड्राइवर, क्लीनर आदि जिसे चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त किया गया हो और बीईएल, ईसीआईएल इंजीनियर भी शामिल हैं, जो प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी), ईवीएम कमीशनिंग, मतदान दिवस और मतगणना दिवस ड्यूटी में लगे हुए हैं।

तीन तरह की अनुग्रह राशि- निर्वाचन ड्यूटी के दौरान अगर मौत उग्रवाद या असामाजिक तत्वों के किसी हिंसक कृत्य से होती है तो 30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि कर्मचारी के परिजन को मिलेगी। अन्य कारण से मृत्यु होने पर 15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। गंभीर चोट में स्थायी विकलांगता के मामले में 7.5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

केशलेस इलाज होगा- आयोग ने चुनाव में शामिल ऐसे सभी कर्मियों के लिए अत्याधुनिक अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया है, जो ड्यूटी के दौरान घायल हो जाते हैं या बीमार पड़ जाते हैं। उपचार में तेजी लाने और देरी से बचने के लिए, चुनाव की घोषणा तक अस्पतालों के साथ अग्रिम रूप से व्यवस्था, टाई-अप कर पीड़ितों को कैशलेस सुविधाएं दी जा सकती हैं।

संपादकीय

लोस चुनाव में मायावती की भूमिका

इस लोकसभा चुनाव में सभी की नजरें मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी की ओर हैं। बसपा मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश और पंजाब में बड़ी ताकत है। आधा दर्जन अन्य राज्यों में भी उसकी थोड़ी बहुत जमीन है। लेकिन लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में अब 10 दिन ही बचे हैं, लेकिन बसपा ने अभी तक अपने पूरे उम्मीदवार भी घोषित नहीं किए हैं। मायावती आखिर चाहती क्या हैं और वो जो कुछ कर रही हैं, उसके पीछे कौन सी अदृश्य शक्तियां काम कर रही हैं? इस सवालों के पीछे कई कारण हैं। पहला तो यह है मायावती ने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उनके ऐसा करने से किस राजनीतिक दल को कितना लाभ होगा, इसका आकलन राजनीतिक पंडित कर रहे हैं। मायावती का अपना वोट बैंक है, जो मुख्यतः दलित समाज का है। यह वोट बीएसपी के साथ निरंतर जुड़ा रहा है, बिना यह सोचे कि मायावती सत्ता में हैं या नहीं। मायावती दलितों के लिए गर्व का विषय है। पिछले लोकसभा चुनाव में मायावती ने यूपी में अपनी कट्टर दुश्मन समाजवादी पार्टी से समझौता किया था, जिसमें उन्हें अच्छी सफलता मिली थी, लेकिन सपा को घाटा हुआ था। इस बार सपा कांग्रेस के साथ है। ऐसे में मायावती फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। लेकिन उनके फैसले में देरी से दूसरी राजनीतिक पार्टियों की धड़कने बढ़ी हुई है। मायावती किसी भी गठबंधन में क्यों शामिल नहीं हुई, इसके पीछे क्या रणनीति है, यह समझने की राजनीतिक प्रेक्षक लगातार कोशिश कर रहे हैं। बसपा के किसी भी गठबंधन में शामिल न होने के पीछे भाजपा का दबाव भी बताया जाता है। क्योंकि बसपा का अलग चुनाव लड़ना अतंतः भाजपा को ही फायदा पहुंचाएगा। खास कर मुस्लिम बहुल सीटों पर बसपा अपने प्रत्याशी उतारती हैं तो वो सपा और कांग्रेस दोनों को ही नुकसान पहुंचाएंगी। मायावती के अलग राह चलने के पीछे एक वजह यह भी बताई जाती है कि वो कई आर्थिक घोटालों में फंसी हैं। लेकिन चुनाव में अलग लाइन लेने से ईडी, सीबीआई की कार्रवाई से बची हुई हैं। इस चुनाव में बसपा कैसा प्रदर्शन करती है, इस पर उनका भविष्य काफी कुछ निर्भर करता है। इस बीच मायावती ने अपने भतीजे डॉ.आकाश आनंद को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है। अर्थात् वो भी परिवारवाद की लाइन पर चल पड़ी हैं। इस चुनाव में न केवल मायावती बल्कि अन्य दलित पार्टियों की रणनीति भी परोक्ष रूप से भाजपा को लाभ पहुंचाने वाली ही हैं। महाराष्ट्र में डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी की भूमिका भी प्रकारांतर से भाजपा को फायदा पहुंचाने वाली ही मानी जा रही है। प्रकाश की पार्टी भी राज्य में किसी गठबंधन के साथ नहीं है। उनके अलग चुनाव लड़ने से नुकसान महाविकास आघाड़ी को होना तय है। इसी तरह मायावती की बसपा को खुली चुनौती देने वाली भीम आर्मी भी अपनी अलग लाइन लेकर जमीन तलाश रही है। उसके अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रावण स्वयं चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। उधर बसपा नेता डॉ.आकाश आनंद ने अपनी सभाओं मे चंद्रशेखर आजाद और उनकी राजनीतिक शैली को लेकर हमले शुरू कर दिए हैं। इसका सीधा मतलब है कि अब दलित राजनीति भी कई खेमों में बंट गई है। दलितों की दिक्कत यह है कि देश मे उनकी संख्या तो काफी है, लेकिन वो कहीं भी अपने दम पर सत्ता में आने में सक्षम नहीं है। इसके लिए अगड़ों या पिछड़ों का सहारा लेना ही होगा। मायावती ने ऐसा सफल प्रयोग 2007 में यूपी में किया भी था। लेकिन वो काठ की हांडी फिर नहीं चढ़ी।

डेक्कन-डायरी

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ओवैसी-कुल के खिलाफ 'थिंक-टैंक' का मोर्चा

पिछली दो पीढ़ियों से ओवैसियों का चेहरा पुराने हैदराबाद की सियासत की पहचान रहा है। और इसने उन्हें बीते कल के अविभक्त आंध्र प्रदेश और आज के तेलंगाना की राजनीति का अविभाज्य हिस्सा बनाने के साथ-साथ संसद में भी उनके दाखिले का रास्ता खोला है। ओवैसी राजनीति का महत्वाकांक्षी परिवार है और इसकी पूर्ति के फेर में उसने पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और गोबर-पट्टी के कुछ प्रांतों में भी दस्तक दी है। उनकी पार्टी एआईएमआईएम यूपी-बिहार में ज्यादा जमीन तो नहीं गोड़ सकी, लेकिन उसने कुछ जगहों पर चुनावी समीकरण जरूर गड़बड़ाये। बेतरह नुक्ताचीं की शिकार रही एआईएमआईएम लगातार विवादास्पद रही है और जेरे-बहस भी। जुमा-जुमा आठ रोज भी नहीं हुए हैं, जब उसने उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों में उतरने के मकसद से अपना दल के पल्लवी पटेल के नेतृत्व के घड़े के साथ हाथ मिला पिछड़ा-दलित-मुस्लिम मोर्चा बनाने का ऐलान किया है। गौरतलब है कि अपना दल के एक धड़े का नेतृत्व सांसद अनुप्रिया पटेल के हाथों में है और दूसरे घड़े की नेता हैं विधायक पल्लवी पटेल। अनुप्रिया जहां केन्द्र में मंत्री हैं, वहीं गत चुनाव में सपा के चुनाव चिह्न पर निर्वाचित पल्लवी और अखिलेश यादव में खटक गयी है। दोनों के मध्य खटास सपा-प्रमुख अखिलेश की अपना दल (के) से लोस चुनाव में गठबंधन से दो टूक इंकार से उपजी है। कुर्मी वोट बैंक के बूते परिदृश्य में उभरे अपना दल का उत्तर प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों में अच्छा-खासा असर है।

मीरजापुर, कौशांबी और फूलपुर से चुनाव लड़ने की औचक और इकतरफा घोषणा से ही अपना दल (के) और समाजवादी पार्टी के संबंधों में दरार पैदा हुई। बहरहाल उत्तर प्रदेश में पांव पसारने को बेताब असदुद्दीन ओवैसी को मौका मुफीद लगा और उन्होंने सुश्री पल्लवी की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ा आनन-फानन गठबंधन का ऐलान कर दिया। जाहिर है कि ओवैसी की नजर कुर्मी वोटबैंक पर है और पल्लवी ओवैसी की मार्फत मुस्लिम वोटबैंक हथियाना चाहती हैं। कहना कठिन है कि अनन्योन्याश्रित संबंधों की यह हांडी कितनी देर आंच पर चढ़ेगी, मगर इससे ओवैसी की पांव पसारने की राजनीति का आभास बखूबी मिलता है। यह सियासी तरकीबों का ही नतीजा है कि एआईएमआईएम यानि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन एक वृहत्तर स्वरूप ले चुका है। इस बड़े कुनबे को हम ओवैसी-कुल की संज्ञा दे सकते हैं। इस कुल ने उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु में दस्तक दी है और कई ठौर अपनी उपस्थिति का एहसास कराया है। उसके पांव तेलगाना-आंध्र की सरहदों से बाहर विविध दिशाओं में निकल चुके हैं। उसने महाराष्ट्र में धुले, पुणे, शोलापुर, ठाणे, मुंबई, अमरावती और औरंगाबाद, बिहार में किशनगंज व अन्यत्र, तमिलनाडु में वनियामबाड़ी, कर्नाटक में हुबली, बीदर, कोलार और बेलगावी, गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, गोधरा और भरुच आदि जगहों पर किसी न किसी स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्शायी है। गुजरात में अहमदाबाद नगर निगम के अलावा मोडासा, भरुच और गोधरा नगरपालिका में उसके पार्षद चुने गये। सन् 2014 में उसने अंबेडकर की

पार्टी से हाथ मिलाया। औरंगाबाद से इम्तियाज जलील और भायखला से वारिस पठान जीते। सन् 2015 में बिहार में उसके पांच एमएलए चुने गये, लेकिन चार राजद में चले गये। सन् 2019 में किशनगंज से कमरुल हुदा असेंबली में पहुंचे। राजस्थान का रण उसे फला नहीं।

उत्तर प्रदेश की भूमि भी उसके लिए उर्वरा सिद्ध नहीं हुई। सन् 2017 में स्थानीय निकायों में किंचित सफलता के बाद सन् 2022 में उसका सूपड़ा साफ हो गया। महाराष्ट्र में इम्तियाज जलील ने कामयाबी दोहरायी। सन् 2019 में मुफ्ती इस्माइल मालेगांव सेंट्रल और शाह फारूक धुले से जीतकर विधानसभा में पहुंचे। आज उसकी कैनोपी तले सात एमएलए, दो एमएलसी, एक एमपी, 67 नगर निगम पार्षदों, और 70 अन्य पार्षदों का कुनबा है।

एआईएमआईएम को राजनीति में पहलू बदलने के लिये भी जाना जाता है। वह हवा का रुख देखकर पीठ फेरने की राजनीति करती है। सन् 2008 में वह यूपीए (संप्रग) से जुड़ी और सन् 2012 में उससे अलग हो गयी। सन् 1927 में नवाब महमूद नवाज खान किलेदार द्वारा हैदराबाद में स्थापित मजलिस की कमान सन् 1938 में बहादुर यार जंग और सन् 1944 में कासिम रिजवी के हाथों में आई। संगठन में रजाकार का विलय हुआ। सन् 1948 में मजलिस पर प्रतिबंध लगा और कासिम रिजवी सन् 48 से सन् 57 तक जेल में रहे। रिजवी सन् 57 में पाकिस्तान जाने की शर्त पर छूटे। जाने से पेश्तर वह अपनी विरासत अब्दुल वहीद ओवैसी को सौंप गये, जो पेशे से वकील थे। वह दिन और आज का दिन। मजलिस की कमान मुसलसल ओवैसियों के हाथों में है।

अब्दुल वहीद के बाद सुल्तान सलाहुद्दीन और फिर असदुद्दीन सर्वेसर्वा बने रहे। ओवैसियों ने सियासत की और तिजारत भी। मीडिया में पैठ की। अस्पताल खोले। बिहार, दिल्ली और उत्तराखंड में आपदाओं में मदद की। मजलिस ने सन् 1960 में मल्लेपल्ली वार्ड से पहला स्थानीय चुनाव जीता था। सन् 62 में सलाहुद्दीन पथरघट्टी से और सन् 67 में चारमीनार से एमएलए चुने गये। बेटों ने विरासत आगे बढ़ायी। आज असदुद्दीन एमपी हैं और अकबरुद्दीन एमएलए। एआईएमआईएम की गाथा के साथ एक रोचक क्षेपक भी जुड़ा हुआ है और वह है हिन्दू प्रतिनिधित्व। हैदराबाद की स्थानीय राजनीति और अन्यत्र उसने हिन्दू प्रत्याशियों को समर्थन या टिकट दिया। सन् 1986 में हैदराबाद के दलित महापौर कालरा प्रकाशराव, सन् 87 में अनुमुला सत्यनारायण और फिर आलमपल्ली पोचैया के निर्वाचन इसकी नजीर हैं। डेक्कन में भानुमति और ए. मुरलीधर रेड्डी तथा यूपी में मनमोहन झा गामा का टिकट अन्य उदाहरण। इसका विलोम सच यह है कि वारिस पठान पर नफरती भाषण का आरोप है और अकबरउद्दीन ओवैसी ने सन् 2007 में तस्लीमा नसरीन को जानलेवा धमकी दी थी। इसी एआईएमआईएम के खिलाफ अब 'थिंक टैंक तेलंगाना' ने मोर्चा खोल दिया है। उसने ओवैसी-कुल की नापाक हरकतों से अवाम को आगाह करते हुए उसे सबक सिखाने की अपील की है। यह अपील 31 मार्च को डॉ. लुबना सरवत, एडवोकेट सैयद तारिक कादरी, अमीना नीलोफर हुसैन, इलियास अहमद खान, मो. रियाज, एमएफयू शरीफ, एडवोकेट आदिल नदीम, एडवोकेट कुदसिया तबस्सुम, तलहा जबीन, इश्तियाक शरीफ, अब्दुल रहमान, रहीमुन्निसा, मोहम्मद अफजल, सैयद अशफाक और बपतिला कृष्ण मोहन के दस्तखतों से जारी हुई। अपील में कहा गया है कि 23 नवंबर को एआईएमआईएम और 164 धर्मगुरुओं ने मामू केसीआर और बीआरएस को जिताने की अपील की थी, जबकि मुसलमान मजलिस और बीआरएस के चंगुल से बाहर आने को बेताब थे। मजलिस का इतिहास अत्याचार, दमन, सरकारी और वक्फ संपत्ति पर कब्जा, अतिक्रमण, छल-प्रपंच और लूट का रहा है। जो लोग कुछ माह पूर्व कांग्रेस को बीजेपी की बी टीम बता रहे थे और अकबरुद्दीन ने रेवंत को आरएसएस का 'टिल्लू' कहा था, वही अब समय के फेर से कांग्रेस के नजदीक आने को बाध्य हैं। याद करें कि असदुद्दीन ने राहुल को हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। कांग्रेस के निकट आने के पीछे मंजलिस की मंशा है कि हैदराबाद संसदीय सीट निरापद रहे। इसके लिए वह कुटिल चालें चल रही है। उसकी सुविधा की सियासत और चालबाजियों का मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिये। मजलिस देशभर में 'वोट काटो' राजनीति खेल रही है। तेलंगाना की अवाम मतदान के जरिये मजलिस को उसकी खुदपरस्त और खुद-हाफिज सियासत के लिए सबक सिखाएगी। अपील के अंत में ग्रांड ओल्ड कांग्रेस से मजलिस के अत्याचारों के खात्मे के लिए मजलूमों के साथ खड़े होने की गुजारिश की गयी है।

'थिंक टैंक तेलंगाना' का बयान बहुत साफ है। उधर मजलिस और अपना दल (के) के गठजोड़ पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा है कि इस गठजोड़ के पीछे बीजेपी की दूरगामी राजनीति है। वह चाहती है कि सेक्यूलर और जम्हूरियत पसंद वोटों का विभाजन हो और उसे कामयाबी मिले। राजनीति 'अंकों' ही नहीं, 'बीजों' का भी खेल है। देखना दिलचस्प होगा कि तेलंगाना के वोटर क्या गुल खिलाते हैं और ओवैसी-कुल का ओल्ड हैदराबाद का 'किला' सुरक्षित रहता है या नहीं?

गुड़ी पड़वा विशेष

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

काल-गणना की वैज्ञानिक प्रस्तुति है पंचांग

विक्रम संवत् का पहला महीना है चैत्र। इसका पहला दिन गुड़ी पड़वा कहलाता है। ब्रह्म-पुराण में कहा गया है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सूर्योदय के समय सृष्टि की रचना का आरम्भ किया था, इसलिए इसे नया दिन कहा गया और कालगणना का प्रारंभ हुआ। भगवान श्री राम ने इसी दिन बाली का वध करके दक्षिण भारत की प्रजा को आतंक से छुटकारा दिलाया था। इस कारण भी इस दिन का विशेष महत्व है। लेकिन दुर्भाग्यवश काल गणना का यह नए साल का पहला दिन हमारे राष्ट्रीय पंचांग का हिस्सा नहीं है।

कालमान या तिथि-गणना किसी भी देश की ऐतिहासिकता की आधारशिला होती है। किंतु जिस तरह से हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं को विदेशी भाषा अंग्रेजी का वर्चस्व धूमिल कर रहा है, कमोवेश यही हश्र हमारे राष्ट्रीय पंचांग, मसलन कैलेण्डर का भी है। किसी पंचांग की काल-गणना का आधार कोई न कोई प्रचलित संवत होता है। हमारे राष्ट्रीय पंचांग का आधार शक संवत् है। हालांकि शक संवत् को राष्ट्रीय संवत् की मान्यता नहीं मिलनी चाहिए थी, क्योंकि शक परदेशी थे और हमारे देश में हमलावर के रूप में आए थे। यह अलग बात है कि शक भारत में बसने के बाद भारतीय संस्कृति में ऐसे रच-बस गए कि उनकी मूल पहचान लुप्त हो गई। बावजूद शक संवत को राष्ट्रीय संवत की मान्यता नहीं देनी चाहिए थी। क्योंकि इसके लागू होने बाद भी हम इस संवत के अनुसार न तो कोई राष्ट्रीय पर्व व जयंतिया मानते हैं और न ही लोक परंपरा के पर्व। तय है, इस संवत् का हमारे दैनंदिन जीवन में कोई महत्व नहीं है। इसके वनिस्वत हमारे संपूर्ण राष्ट्र के लोक व्यवहार में विक्रम संवत् के आधार पर तैयार किया गया पंचांग है। हमारे सभी प्रमुख त्यौहार और तिथियां इसी पंचांग के अनुसार लोक मानस में मनाए जाते हैं। इस पंचांग की विलक्षण्ता है कि यह ईसा संवत् से तैयार ग्रेगेरियन कैलेंडर से भी 57 साल पहले वर्चस्व में आ गया था, जबकि शक संवत् की शुरूआत ईसा संवत् के 78 साल बाद हुई थी। अतएव हमने काल-गणना में गुलाम मानसिकता का परिचय देते हुए पिछड़ेपन को ही स्वीकारा।

प्राचीन भारत और मध्य-अमेरिका दो ही ऐसे देश थे, जहां आधुनिक सैकेण्ड से सूक्ष्मतर और प्रकाशवर्ष जैसे उत्कृष्ट कालमान प्रचलन में थे। अमेरिका में मय सभ्यता का वर्चस्व था। मय संस्कृति में शुक्र-ग्रह के आधार पर काल-गणना की जाती थी। विश्वकर्मा मय दानवों के गुरू शुक्राचार्य का पौत्र और शिल्पकार त्वष्टा का पुत्र था। मय के वंशजो ने अनेक देशों में अपनी सभ्यता को विस्तार दिया। इस सभ्यता की दो प्रमुख विशेषताएं थीं, स्थापत्य-कला और दूसरी सूक्ष्म ज्योतिष व खगोलीय गणना में निपुणता। रावण की लंका का निर्माण इन्हीं मय दानवों ने किया था। प्राचीन समय में युग, मनवन्तर, कल्प जैसे महत्तम और कालांश लघुतम समय मापक विधियां प्रचलन में थीं।

ऋगवेद में वर्ष को 12 चंद्रमासों में बांटा गया है। हरेक तीसरे वर्ष चन्द्र और सौर वर्ष का तालमेल बिठाने के लिए एक अधिकमास जोड़ा गया। इसे मलमास भी कहा जाता है। ऋग्वेद की ऋचा संख्या 1-164,48 में एक पूरे वर्ष का विवरण इस प्रकार उल्लेखित है-

द्वादश प्रधयश्चक्रमेंक त्रीणि नम्यानि क उ तश्चिकेत।
तस्मिन्त्साकं त्रिशता न शंकोवोऽर्पिताः षष्टिर्न चलाचलासः।

इसी तरह प्रश्नव्याकरण में 12 महिनों की तरह 12 पूर्णमासी और अमावस्याओं के नाम और उनके फल बताए गए हैं। ऐतरेय ब्राह्मण में 5 प्रकार की ऋतुओं का वर्णन है। तैत्तिरीय ब्राह्मण में ऋतुओं को पक्षी के प्रतीक रूप में प्रस्तुत किया गया है-

तस्य ते वसन्तः शिरः। ग्रीष्मो दक्षिणः पक्षः वर्षः पुच्छम्।
शरत पक्षः। हेमान्तो मध्यम्।

अर्थात् वर्ष का सिर वसंत है। दाहिना पंख ग्रीष्म। बायां पंख शरद। पूंछ वर्षा और हेमन्त को मध्य भाग कहा गया है। अर्थात तैत्तिरीय ब्राह्मण काल में वर्ष और ऋतुओं की पहचान और उनके समय का निर्धारण प्रचलन में आ गया था। ऋतुओं की स्थिति सूर्य की गति पर आधारित थी। एक वर्ष में सौर मास की शुरूआत, चन्द्रमास के प्रारंभ से होती थी। प्रथम वर्ष के सौर मास का आरंभ शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को और आगे आने वाले तीसरे वर्ष में सौर मास का आरंभ कृष्ण पक्ष की अष्ठमी से होता था। तैत्तिरीय संहिता में सूर्य के 6 माह उत्तारयण और 6 माह दक्षिणायन रहने की स्थिति का भी उल्लेख है। दरअसल जम्बूद्वीप के बीच में सुमेरू पर्वत है। सूर्य और चन्द्रमा समेत सभी ज्योर्तिमण्डल इस पर्वत की परिक्रमा करते हैं। सूर्य जब जम्बूद्वीप के अंतिम आभ्यातंर मार्ग से बाहर की ओर निकलता हुआ लवण समुद्र की ओर जाता है, तब इस काल को दक्षिणायन और जब सूर्य लवण समुद्र के अंतिम मार्ग से भ्रमण करता हुआ जम्बूद्वीप की ओर कूच करता है, तो इस कालखण्ड को उत्तरायण कहते हैं।

ऋग्वेद में युग का कालखण्ड 5 वर्ष माना गया है। इस पांच साला युग के पहले वर्ष को संवत्सर, दूसरे को परिवत्सर, तीसरे को इदावत्सर, चौथे को अनुवत्सर और पांचवें वर्ष को इद्वत्सर कहा गया है। इन सब उल्लेखों से प्रमाणित होता है कि ऋग्वैदिक काल से ही चन्द्रमास और सौर वर्ष के आधार पर की गई काल-गणना प्रचलन में आने लगी थी, जिसे जन सामान्य ने स्वीकार कर लिया था। चंद्रकला की वृद्धि और उसके क्षय के निष्कर्षो को समय नापने का आधार माना गया। कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष के आधार पर उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने विक्रम संवत् की विधिवत शुरूआत की। इस हेतु एक वेधशाला भी बनाई गई, जो सूर्य की परिक्रमा पर केंद्रित है। इस दैनंदिन तिथी गणना को पंचांग कहा गया। किंतु जब स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अपना राष्ट्रीय संवत् अपनाने की बात आई तो राष्ट्रभाषा की तरह सांमती मानसिकता के लोगों ने विक्रम संवत् को राष्ट्रीय संवत् की मान्यता देने में विवाद पैदा कर दिए। कहा गया कि भारतीय काल-गणना उलझाऊ है। इसमें तिथियों और मासों का परिमाप घटता-बढ़ता है, इसलिए यह अवैज्ञानिक है। जबकि राष्ट्रीय न होते हुए भी सरकारी प्रचलन में जो ग्रेगेरियन कैलेंडर है,उसमें भी तिथियों का मान घटता-बढ़ता है। मास 30 और 31 दिन के होते हैं। इसके अलावा फरवरी माह कभी 28 तो कभी 29 दिन का होता है। तिथियों में संतुलन बिठाने के इस उपाय को 'लीप ईयर' यानी 'अधिक वर्ष' कहा जाता है।

ऋग्वेद से लेकर विक्रम संवत् तक की सभी भारतीय कालगणनाओं में इसे अधिकमास ही कहा गया है। ग्रेगेरियन केलैंण्डर की रेखाकिंत की जाने वाली महत्वपूर्ण विसंगति यह है कि दुनिया भर की कालगणनाओं में वर्ष का प्रारंभ वसंत के बीच या उसके आसपास से होता है, जो फागुन में अंगड़ाई लेता है। इसके तत्काल बाद ही चैत्र मास की शुरूआत होती है। इसी समय नई फसल पक कर तैयार होती है,जो एक ऋतुचक्र समाप्त होने और नये वर्ष के ऋतुचक्र के प्रारंभ का संकेत है। दुनिया की सभी अर्थ व्यवस्थाएं और वित्तीय लेखे-जोखे भी इसी समय नया रूप लेते हैं। अंग्रेजी महीनों के अनुसार वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च का होता है। ग्राम और कृषि आधारित अर्थ व्यवस्थाओं के वर्ष का यही आधार है। इसलिए हिंदी मास या विक्रम संवत् में चैत्र और वैशाख महिनों को मधुमास कहा गया है। इसी दौरान चैत्र शुक्ल प्रतिपदा यानी गुड़ी पड़वा से नया संवत्सर प्रारंभ होता है। जबकि ग्रेगेरियन में नए साल की शुरूआत पौष मास अर्थात् जनवरी से होती है,जो किसी भी उल्लेखनीय परिवर्तन का प्रतीक नहीं है।

विक्रम संवत् की उपयोगिता ऋतुओं से जुड़ी थी, इसलिए वह ऋग्वैदिक काल से ही जनसामान्य में प्रचलन में थी। बावजूद हमने शक संवत् को राष्ट्रीय संवत् के रूप में स्वीकारा, जो भारतीय सांस्कृतिक परंपरानुसार कतई अपेक्षित नहीं है। क्योंकि शक विदेशी होने के साथ आक्रांता थे। चंद्रगुप्त द्वितीय ने उज्जैन में शकों को परास्त कर उत्तरी मध्य-भारत में उनका अंत किया और विक्रमादित्य की उपधि धारण की। यह ऐतिहासिक घटना ईसा सन् से 57 साल पहले घटी और विक्रमादित्य ने इसी दिन से विक्रम संवत् की शुरूआत की। जबकि इन्हीं शकों की एक लड़ाकू टुकड़ी को कुषाण शासक कनिष्क ने मगध और पाटलिपुत्र में ईसा सन् के 78 साल बाद परास्त किया और शक संवत् की शुरूआत की। विक्रमादित्य को इतिहास के पन्नों में 'शकारी' भी कहा गया है, अर्थात् शकों का नाश करने वाला शत्रु। शत्रुता तभी होती है, जब किसी राष्ट्र की संप्रभुता और संस्कृति को क्षति पहुंचाने का दुश्चक्र कोई विदेशी आक्रमणकारी रचता है। इस सब के बावजूद राष्ट्रीयता के बहाने हमें ईसा संवत् को त्यागना पड़ा तो विक्रम संवत् की बजाय शक संवत् को स्वीकार लिया। अर्थात पंचांग यानी कैलेंडर की दुनिया में 57 साल आगे रहने की बजाय हमने 78 साल पीछे रहना उचित समझा। अपनी गरिमा को पीछे धकेलना हमारी मानसिक गुलामी की विचित्र विडंबना है, जिसका स्थायीभाव बदला जाना राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रबोध के लिए आवश्यक है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

2024 - एक लव स्टोरी

टायगर और गीदड़ी लिवइन में रह रहे थे। गीदड़ी ने कई बार कहा कि अब शादी कर लेते हैं। लेकिन टायगर नहीं माना। उसे डर था कि कहीं वह शादी के बाद गीदड़ न हो जाए। न हो वह गीदड़, अगर गीदड़ी टायगरन हो गयी तो भी दिक्कत हो जाएगी। जात पांत और विचारधारा भी अलग होने के बावजूद गीदड़ी से उसका प्यार परवान चढ़ा था। यों तो जंगल वाले किसी टायगर पर भरोसा नहीं करते हैं लेकिन गीदड़ी जिगरे वाली है। कहती है प्यार किया तो डरना क्या ! अब सर फूटे या माथा ... मैंने तो हाँ कर ली। बस इसी बात पर वह फ़िदा था। वह शहर भी जाती थी। कहते हैं कि गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की ओर जाता है। लेकिन वह नयी सोच वाली, अन्धविश्वास से दूर और जांबाज़ है।

पिछले दिनों गीदड़ी जब जब भी शहर से लौटी तो अपने टायगर के लिए कुछ समोसे लेकर आई। यूनो, मादाएं कोई भी हों वे प्रायः अपनी भावनाएँ अलग और सुन्दर ढंग से व्यक्त करती हैं। टायगर को समोसों का ऐसा स्वाद लगा कि वह आएदिन गीदड़ी को शहर भेजने के बहाने ढूंढते रहता। ज्यादा समय नहीं लगा, टायगर चटोरेपन की चपेट में आ गया। शिकार की उसकी आदत जाती रही। गीदड़ी के कारण उसके दिन समोसानंद में गुजरने लगे।

इस जंगल के लोग भी मानते हैं कि 'समय कह कर नहीं आता है'। एक बार गीदड़ी शहर गयी तो लौटी नहीं। टायगर जंगल-टीवी देखता इंतजार करता रहा। हत्या, बलात्कार, यातना की कैसी कैसी तो खबरें आती हैं, सुन ले तो जंगल वाले अपनी लेडिज को शहर भेजने से पहले दस बार सोचें। वह पछताया कि उसने अपनी गीदड़ी को समोसों के लिए शहर भेज दिया ! अगर वह किसी गीदड़ से प्यार करती तो शायद वे दोनों साथ साथ शहर जाते और गोलगप्पे खाते। इधर वह राजा होने का मुगालता पाले खुद जंगल में पड़ा रहा और उसे शहर की आग में झोंक दिया। इन विचारों के चलते उसे भूख भी लग रही थी। गीदड़ी से ज्यादा उसे समोसे याद आने लगे। ऐसा होता है सबके साथ। लोग कहते हैं कि वे डाकिये का इंतजार कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता ये है कि वे चिट्ठी का इंतजार करते हैं। तीन दिन हुए आखिर टायगर गीदड़ी को ढूँढने के लिए शहर आना पड़ गया।

तीन दिन की भूख, प्यास और थकावट के कारण टायगर बेदम हो रहा था। बेबसी के इस आलम में एक टीवी पत्रकार ने उसे देख लिया और उस पर झपटा। माईक उसके मुंह में अड़ा कर पहला समसामयिक सवाल मारा, - क्या किसी पार्टी से आपको सदस्यता का पक्का आश्वासन मिल चुका है?

टायगर ने कहा - नहीं।

दरअसल गीदड़ी ने एक बार बताया था कि जब वह प्रेस वालों के बीच फंस जाती है तो एक सवाल का जवाब 'नहीं' और दूसरे का 'हाँ' में देती है। टायगर को उसकी सीख याद आ गयी।

'तो क्या आपका मोहभंग हो गया है जंगल वालों से ?' दूसरा सवाल।

'हाँ'।

'क्या अब आप राजनीति से सन्यास ले रहे हैं ?'

'नहीं'।

'तो क्या यह मान लिया जाये कि किसी पार्टी के अध्यक्ष से आपकी बात चल रही है ?'

'हाँ'।

'पार्टी का नाम आप नहीं बता रहे हैं तो ये बताइए कि आप गोमांस खाते हैं ?'

'नहीं'।

'झूठे वादे करना जानते हैं ? लम्बी लम्बी छोड़ लेते हैं ?'

'हाँ'।

'कभी कोई लज्जा, शरम, अपराधबोध होता है ?'

'नहीं'।

'भ्रष्टाचार के बारे में सुना होगा ? कर लोगे ?'

'हाँ'।

'बेरोजगारी के बारे में कुछ पता है ?'

'नहीं।'

'एक फोटो ले लूँ ?'

'हाँ हाँ'।

'कुछ कपड़े-वपड़े पहनना है ?'

'नहीं'।

'शीर्षक लगाऊंगा 'राजनीति में नंगा टायगर'। चलेगा ?'

'हाँ'।

टीवी पत्रकार फोटो ले कर चला गया। जाते जाते बोला कि मुझे पता चल गया है कि किधर से आये हो और किधर जा रहे हो। बधाई हो, कल कुर्सी मिल जाए तो याद रखना।

टायगर को गीदड़ी का पता चाहिए था। सोच रहा है कि काश शहरों में टीवी पत्रकारों के साथ जटायु के वंशज भी होते। पता नहीं गीदड़ी कहाँ है, किस दुकान पर खड़ी होगी। ..... कुछ मिनिट ही हुए थे कि टीवी वाला फिर प्रकट हुआ। इस बार उसके साथ वन विभाग वाले जाल फैंकने की तैयारी में थे।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

कुत्तों के काटने की समस्या का कानूनी हल जरूरी

केंद्र सरकार ने हाल ही में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर लोगों को पालतू जानवरों के रूप में कुत्तों की 23 नस्लों को रखने से रोका है। पालतू कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं के बीच राज्यों को पिटबुल टेरियर, अमेरिकन बुलडॉग, रॉटवीलर और मास्टिफ सहित क्रूर कुत्तों की इन नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है।

देशभर में कुत्तों के आक्रामक हमलों के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए, केंद्र ने अब राज्य सरकारों से 25 खूंखार कुत्तों की नस्लों के आयात, बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है, जो उन्हें मानव जीवन के लिए खतरा बताते हैं। ''कुत्तों की इन नस्लों के लिए लाइसेंस, नसबंदी, टीकाकरण अनिवार्य है। जिन लोगों के पास पालतू जानवरों के रूप में इन कुत्तों की नस्लें हैं, उन्हें रखने की अनुमति दी जाएगी बशर्ते उनके पास उनके लिए उचित लाइसेंस हो और पंजीकृत पशु चिकित्सक से नसबंदी का प्रमाण पत्र भी हो। उन्हें टीकाकरण को समय पर रखना होगा और इसका रिकॉर्ड भी रखना होगा। मौजूदा कुत्तों के लाइसेंस का नवीनीकरण किया जाएगा ताकि जिनके पास पहले से ही पालतू जानवर हैं, उन्हें चिंता करने या छोड़ने की आवश्यकता न हो।

यह निर्णय दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश के जवाब में विशेषज्ञों और पशु कल्याण निकायों के एक संयुक्त पैनल द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद आया है। इसने केंद्र सरकार को सभी संबंधित से परामर्श करने के बाद इन नस्लों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लेने का निर्देश दिया था। पशुपालन और डेयरी विभाग ने विभिन्न हितधारक संगठनों और विशेषज्ञों के सदस्यों के साथ पशुपालन आयुक्त की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया। समिति ने कुत्तों की कुछ नस्लों की पहचान क्रूर के रूप में की है जो मानव जीवन के लिए खतरनाक है।'' पत्र में कहा गया है और इसमें रॉटविलर, पिटबुल टेरियर, वुल्फ डॉग, केन कोर्सो और मास्टिफ जैसे कुत्तों की नस्लों के नाम शामिल हैं, उनकी क्रॉस नस्ल मिश्रण, जिन्हें मानव जीवन के लिए खतरनाक माना जाता है।

समिति ने सिफारिश की है कि क्रॉस नस्लों सहित उल्लिखित कुत्तों की नस्लों को आयात, प्रजनन, पालतू कुत्तों के रूप में बेचने और अन्य उद्देश्यों के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा और स्थानीय निकाय, पशुपालन विभाग कुत्तों की नस्लों की बिक्री, प्रजनन के लिए कोई लाइसेंस या परमिट जारी नहीं करेगा जैसा कि पत्र में उल्लेख किया गया है। निर्देश में यह भी सुझाव दिया गया है कि स्थानीय निकाय इस संबंध में आवश्यक कार्यान्वयन दिशा-निर्देश भी जारी कर सकते हैं। हालांकि, पत्र में कहा गया है कि जिन लोगों के पास पहले से ही उल्लेखित नस्लें हैं, वे उन्हें पालतू जानवरों के रूप में रखना जारी रख सकते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि उन्हें नसबंदी कर दी गई है ताकि उन्हें आगे पैदा नहीं किया जा सके।

केंद्र सरकार ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के स्थानीय निकायों और पशु कल्याण बोर्डों द्वारा स्थानीय स्तर पर पशु क्रूरता निवारण नियमों के तहत कुत्ते प्रजनन और विपणन नियम, 2017 और पालतू जानवरों की दुकान नियम 2018 को लागू करने की भी सिफारिश की है। क्योंकि, अधिकांश पालतू जानवरों की दुकानें और प्रजनक अवैध हैं। विषेष रूप से, पशु अधिकार संगठन पीपल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ़ एनिमल्स (पेटा) इंडिया ने इस महीने की शुरूआत में दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की थी और सरकार से 23 कुत्तों की नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था ताकि उन्हें अवैध प्रजननकर्ताओं द्वारा शोषण से बचाया जा सके।

अपनी याचिका में, पेटा ने लिखा है कि यह आदेश मनुष्यों और कुत्तों दोनों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण है और एक मजबूत, स्पष्ट संदेश भेजता है कि पिट बैल और ऐसी अन्य नस्लों को हथियारों के रूप में उपयोग करने के लिए पैदा किया जाता है। पिट बैल और संबंधित नस्लें भारत में सबसे अधिक परित्यक्त कुत्ते हैं, और यह कार्रवाई कुत्तों के लिए बहुत अधिक पीड़ा रोक सकती है। इन नस्लों के किसी भी कुत्ते के मालिक को कोई नया लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। अब तक, शहर में इन प्रतिबंधित नस्लों के लगभग 800 कुत्ते हैं जिनका लाइसेंस नगर निगम द्वारा जारी किया गया है, जिनमें केन कोर्सो, रॉटवीलर, डोगो अर्जेंटीना, पिटबुल टेरियर और अमेरिकन बुलडॉग शामिल हैं।

पिछले साल, लीगल अटॉर्नी एंड बैरिस्टर्स नामक एक कानूनी फर्म ने कुछ खतरनाक कुत्तों की नस्लों पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक जनहित याचिका दायर की थी। इसमें तर्क दिया गया था कि उन्हें यूके और और यूएसए सहित 35 से अधिक देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया था। 6 दिसंबर, 2023 को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने केंद्र को याचिकाकर्ता के प्रतिनिधित्व पर तेजी से अधिमानतः तीन महीने के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। हाल ही में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने सिकंदर सिंह ठाकुर और अन्य बनाम भारत संघ में 12 मार्च के परिपत्र को चुनौती दी। इसमें याचिकाकर्ता ने नसबंदी के आदेश के खिलाफ तर्क दिया। याचिका में कहा गया कि स्थापित वैज्ञानिक प्रोटोकॉल का पालन करने में विफल रहने या कुत्तों से संबंधित घटनाओं से जुड़े कुत्तों के व्यवहार, स्वभाव और जोखिम कारकों के बारे में व्यापक शोध पद्धतियों में शामिल होने में विफल रहने से, इस तरह के नियामक हस्तक्षेपों के लिए आवष्यक विष्वसनीयता और वैधता का अभाव है।

पिछले हफ्ते, दो उच्च न्यायालयों ने रॉटवेलर, भेड़िया कुत्ते और पिटबुल टेरियर सहित 23 विदेशी कुत्तों की नस्लों की बिक्री, आयात और रखने पर प्रतिबंध लगाने पर केंद्र के परिपत्र के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए हस्तक्षेप किया है। केंद्र के 12 मार्च के परिपत्र में उन कुत्तों की नस्लों को पालतू जानवरों के रूप में रखने वाले व्यक्तियों को उनकी नसबंदी करने का भी निर्देश दिया गया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने परिपत्र पर रोक लगा दी, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केवल दो दिन बाद आंशिक रोक का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को परिपत्र को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र से जवाब भी मांगा। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ ओपी चौधरी के 12 मार्च के पत्र में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि कुत्तों की नस्लों की बिक्री, प्रजनन या रखने के लिए कोई लाइसेंस या अनुमति जारी नहीं की जाए। इसका उद्देश्य पालतू जानवरों के रूप में रखी गई क्रूर नस्लों के कुत्तों के काटने से होने वाली मानव मौतों के बारे में चिंताओं को दूर करना था।

तन्मय दत्ता बनाम पश्चिम बंगाल राज्य में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्र के परिपत्र पर आंशिक रूप से रोक लगा दी। एक कुत्ते के मालिक दत्ता ने तर्क दिया कि भारत में कोई भी कानून कुत्तों को मारने या प्रतिबंधित करने की अनुमति नहीं देता है। न्यायमूर्ति सव्यसाची भट्टाचार्य ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह एक हलफनामा दायर करे, जिसमें विषेषज्ञ समिति के सदस्यों और उनकी साख का विवरण हो। अदालत ने याचिकाकर्ता के तर्क में भी सार पाया कि कुत्तों की नस्लों की नसबंदी के निर्देश का उन पर, विशेष रूप से पिल्लों पर घातक प्रभाव पड़ सकता है। बताया गया है कि पालतू जानवरों को अनिवार्य रूप से नसबंदी करने का निर्देश दिया गया है, जो किसी विशेष उम्र से पहले पशु विज्ञान के किसी भी मानदंड द्वारा स्वीकृत नहीं है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय 19 मार्च को एकल पीठ ने एक पेशेवर डॉग हैंडलर और रॉटविलर मालिक द्वारा संयुक्त रूप से दायर एक याचिका पर कार्रवाई की। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि परिपत्र जारी करने की सिफारिश करने वाली विशेषज्ञ समिति ने अपना निर्णय लेने से पहले किसी भी हितधारक से परामर्श नहीं किया। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने कहा कि जब तक भारत के उप सॉलिसिटर जनरल उन दस्तावेजों को पेश नहीं करते हैं जो विवादित परिपत्र के निर्णय लेने में गए थे तब तक कर्नाटक में यह रोक रहेगी। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि परिपत्र का प्रभाव अखिल भारतीय है। इससे 23 नस्लों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है।

भारत के उप सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि परिपत्र दिल्ली उच्च न्यायालय के 6 दिसंबर के आदेश के बल पर जारी किया गया था। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था कि कार्रवाई करने से पहले सभी हितधारकों से परामर्श किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा कि परिपत्र में हालांकि कई हितधारक संगठनों के सदस्यों के विशेषज्ञ समिति का हिस्सा होने का उल्लेख किया गया है। लेकिन, कई ऐसे भी हैं जिनकी सुनवाई नहीं होगी। उदाहरण के लिए, याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि कूड़े के पंजीकरण के लिए देश में आधिकारिक निकाय केनेल क्लब ऑफ़ इंडिया पर सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि एक विशेष कुत्ते की नस्ल की पहचान मानव जीवन के लिए क्रूर और खतरनाक के रूप में करने के लिए यह पहचानने में गहन विशेषज्ञता की जरूरत होती है कि क्या उन नस्लों को उचित रूप से प्रशिक्षित किया गया है।

याचिकाकर्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि कई सूचीबद्ध नस्लें अन्य भारतीय नस्लों के समान हैं जो परिपत्र का हिस्सा नहीं है। मामले को 5 अप्रैल को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए, अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के कुछ के बजाए सभी हितधारकों से परामर्श करने के निर्देश को दोहराया। हालांकि, इस कार्यवाही से कुत्तों के काटने की समस्या का समाधान हो सकेगा इसमें संदेह है। फिर भी यह उम्मीद की जानी चाहिए कि स्थिति पर कुछ हद तक नियंत्रण हो सकेगा। कुत्तों के काटने की समस्या के समाधान के लिए कोई अन्य सर्वस्वीकार्य संपूर्ण समाधान खोजना अभी बाकी है। इस दिशा में हमें आगे तेजी से बढ़ना होगा।

चैटीचंड पर विशेष

सुरेश जसवानी

भगवान झूलेलाल ने की वरूण पंथ की स्थापना, बनाया भाई चारा

हिन्दु मुस्लिम एकता के लिए किया काम

आज ही नहीं बल्कि एक तरह से उस जमाने में भी धर्मांतरण होता था, लेकिन किसी न किसी रूप में इस प्रलय को रोकने अवतार भी पैदा होते आए हैं। भगवान झूलेलाल जिसे वरूणावतार के रूप में भी देश व दुनिया में पूजा जाता है, ब्रम्हण, क्षत्री, वैश्य और शुद्र चारों वर्ण के लोग पूजा करते हैं। श्रीमद भागवत कथा में लिखा है कि जब जब पृथ्वी पर जुल्म अपनी पराकाष्ठा पर होगा तब तब भगवान किसी न किसी रूप में प्रकट होकर मनुष्य की रक्षा करेगा। भगवत कथा के ये शब्द भगवान झूलेलाल के अवतार से साकार हुए हैं। सन् 1007 वर्ष पहले राजा मिर्गशाह जिसकी सत्ता पर जोरदार पकड़ थी अपनी शक्ति पर अपार घमण्ड था। न केवल वह अपने राज्य का लगातार विस्तार करता जाता बल्कि उसने हिन्दुओं को धर्मांतरण के लिए भी बाध्य करना शुरू किया। मिर्गशाह बादशाह का जुल्म दिन प्रतिदिन बढ़ता गया जब उसका जुल्म लोगों की सहन शक्ति से बाहर हो गया तब संकट की इस घड़ी में लोग सिंधु नदी पर एकत्रित हुए और तय किया कि जब तक उसे मिर्गशाह बादशाह के जुल्मों से छुटकारा नहीं मिल जाता तब तक उपवास रखकर इन्द्र देवता की पूजा करेंगे। उपवास और आराधना के सातवें दिन रात के समय सिंधु नदी की लहरों पर पाले (मछली) पर सवार होकर वर्ण देव के रूप में प्रगट हुए। इसी समय आकाशवाणी हुई कि अत्याचारी बादशाह का को खत्म करने वर्ण देव नसीरपुर शहर में भाई रतनराय के घर जन्म ले रहे हैं। यह पवित्र दिन 1007 के ठारू के दिन आया और जनता बेहद खुश हुई। इधर जैसे ही मिर्गशाह बादशाह को यह खबर लगी उसने भाई रतनराय के घर जन्मे बालक को उठा लाने का हुक्म दिया। राजा का मंत्री सुरक्षा अमले के साथ श्री रतनराय के घर पहुंचा और जैसे ही उसने बालक को उठाने का प्रयास किया वही बुरी तरह से डर गया और कुछ कदम पीछे हटकर गिर पड़ा। मंत्री को बालक के रूप में एक चक्रवर्ती सम्राट सिंहासन पर बैठा दिखा। मंत्री वहां से फौरन चला गया और सारा घटनाक्रम मिर्गशाह बादशाह को बताया। बादशाह अपने घमंड में चूर था इस कारण वह थोड़ा डरा जरूर लेकिन बालक को तत्काल गिरफ्तार करने का हुक्म दिया। बालक अंतरयामी था और मिर्गशाह बादशाह की सारी रणनीति को जानता था। इसी बीच जबरदस्त हवा चली और भगवान झूलेलाल का गुस्सा आग में बदलकर मिर्गशाह बादशाह के महल पर टूट पड़ा। इसे देखकर मिर्गशाह बादशाह बुरी तरह से डर गया और झूलेलाल के चरणों में झुककर अपने गुनाहों व अत्याचारों के लिए क्षमा मांगने लगा। सभी की पुकार सुनकर भगवान झूलेलाल का गुस्सा शांत हुआ और आग तथा तेज हवा भी शांत हो गई। बाद में उसी स्थान पर मिर्गशाह बादशाह ने आलीशान मंदिर का निमार्ण करवाया। जहां तक वरूणदेव का नाम भगवान झूलेलाल पड़ने का सवाल है तो भाई रतनराय को बालक के जन्म के पूर्व झूले में झूलेते हुए दर्शन हुए थे जिस कारण भी वरूण देव का नाम भगवान झूलेलाल पड़ा। भगवान झूलेलाल ने हिन्दु मुस्लिम एकता एवं भाईचारे का संदेश भी दिया

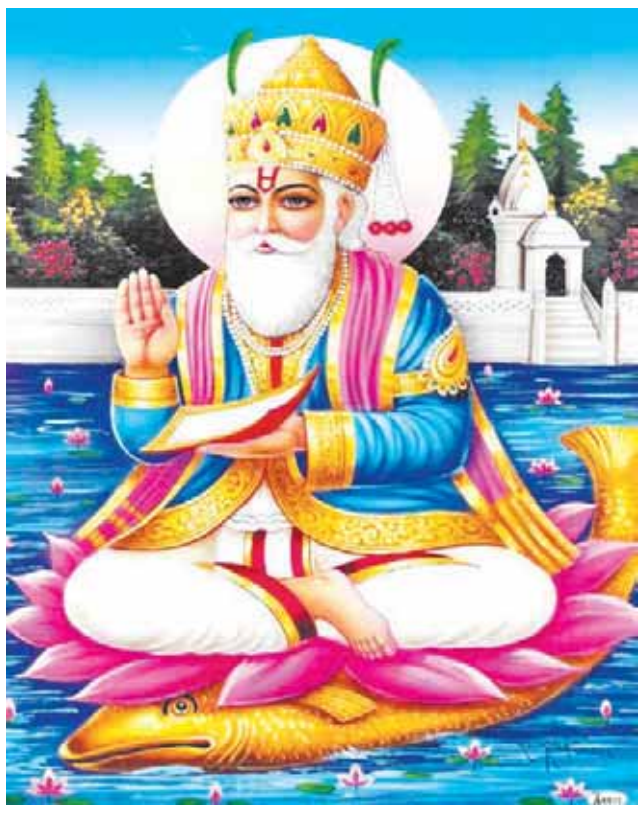

मेलों का आयोजन

चूंकि यह पवित्र दिन चैत्र व्दितीया के दिन आया इस कारण भगवान झूलेलाल की पूजा चैटीचंड के रूप में भी की जाती है जिस दिन जहां भी भारत में सिंधी हिन्दु हैं वहां मेलों का आयोजन होता है इसके माध्यम से अपनी संस्कृति का भी प्रचार होता है। आज भले ही भारत के मानचित्र पर सिंध प्रदेश नहीं है परन्तु हमारे राष्ट्रीय गीत में उसका उल्लेख है। भगवान झूलेलाल ही वरूणदेवता है जिसका उल्लेख रामायण के सुन्दरकांड के पाइ में आता है। जब श्रीराम लंका पर चढ़ाई करने के लिए समुन्द्र पहुंचे और वहां सेतू बांधना था तब वरूण देवता बूढ़े ब्रम्हण के रूप में प्रगट हुए और भगवान श्री राम को नल एवं नील दो भाईयों की जानकारी दी जिनकी मदद से समुन्द्र में पुल बांधा और श्रीराम लंका पहुंचे।

जल और ज्योति की पूजा

हिन्दु एवं सिंधी जल तथा ज्योति की भी पूजा करते हैं। वह इसलिए कि वरूणदेवता का अवतार भगवान झूलेलाल के रूप में सिंधु नदी पर मछली पर हुआ इस कारण जल की पूजा भी की जाती है। ज्योति आग का रूप लेकर मिर्गशाह बादशाह के महल पर टूट पड़ी इस कारण ज्योति की पूजा को भी प्राथमिकता दी गई है। हमारे झूलेलाल तथा उदेरोलाल वही वरूणदेवता हैं जिसको भारत के ग्रामों से लेकर शहर तक लोग कुल देवता के रूप में मानते हैं इनकी पूजा ब्रम्हण, क्षत्री, वैश्य और शुद्र चारों वर्ण के लोग करते हैं।

हिन्दु मुस्लिम एकता के प्रतीक

मिर्गशाह बादशाह व्दारा अपने गुनाहों के लिए क्षमायाचना करने के बाद भगवान झूलेलाल ने हिन्दु मुस्लिम एकता का संदेश दिया और दोनो समुदायों को एक दूसरे के उत्थान एवं भलाई के लिए काम करने पर जोर दिया। जिस तरह भारत में सिंधी हिन्दु भगवान झूलेलाल की पूजा करते हैं उसी तरह पाकिस्तान में सिंधी मुसलमान जिंदहपीर के रूप में भगवान झूलेलाल की आराधना करते हैं। जिस प्रकार भगवान बुद्ध, महावीर, गुरूनानक देवक अवतार के रूप में पूजे जाते हैं उसी प्रकार भगवान झूलेलाल की भी अवतार के रूप में पूजा की जाती है।

प्रगतिशील लेखक संघ का स्थापना दिवस आज

सुसंस्कृति परिहार

लेखिका स्तंभकार हैं।

वर्तमान में प्रगतिशील साहित्य का औचित्य

9 अप्रैल सन् 1936 प्रगतिशील लेखक संघ का स्थापना दिवस है इसे प्रगतिशील साहित्य दिवस के रूप में भी मनाया जाता है । सन् 1936 लखनऊ में 9-10 अप्रैल को प्रगतिशील लेखक संघ का प्रथम अधिवेशन हुआ जिसकी अध्यक्षता मुंशी प्रेमचंद ने की। जबकि इसका अंकुरण लंदन में 7-8 भारतीय छात्रों की टोली, जिसमें मुल्क राज आनंद और सज्ज़ाद ज़हीर प्रमुख थे, ने कर लिया था जिसका मूल उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साम्राज्यवाद और फ़ासिज़्म से संस्कृति की रक्षा के लिए, विश्व भर के संस्कृति कर्मियों को लामबंद करना था। इससे पूर्व सन 1934 में रूस में सोवियत संघ तथा 1935 में पेरिस में विश्व लेखक अधिवेशन हुआ जिसने इन छात्रों को प्रेरणा दी। भारत में इस संगठन के जन्मते ही इसे विदेशी संगठन कहकर प्रतिक्रियावादियों ने विरोध शुरू कर दिया, लेकिन सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से साहित्य के क्षेत्र में जो नई सोच उत्पन्न हुई उसमें मज़दूर, किसान के अलावा आम शोषित, दलित, पीड़ित सब शामिल हो गये जिससे स्वाधीनता आन्दोलन को भी बल मिला।

वहीं दूसरी ओर प्रेमचंद को रूढ़िवादी लेखकों ने घृणा का प्रचारक एवं ब्राह्मण निंदक घोषित कर दिया मगर हंस,प्रभा एवं रूपाभ जैसी पत्रिकाओं ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया प्रेमचंद के साथ, फ़िराक़,निराला ,पंत, महादेवी, बालकृष्ण शर्मा नवीन जैसे हिंदी-उर्दू के प्रतिष्ठित लेखक हो गये बाद में रांगेय राघव, रामधारी सिंह दिनकर, राहुल सांकृत्यायन, शिवदानसिंह चौहान, नरेंद्र शर्मा, रामकृष्ण बैनीपुरी, नरोत्तम नागर, प्रकाशचंद गुप्ता ,भगवतशरण उपाध्याय एवं रामविलास शर्मा जैसे कवि,लेखक, कथाकार, समीक्षक बड़ी संख्या में प्रगतिशील लेखक संघ के बैनर तले आ गये। वहीं कविवर रवीन्द्रनाथ टैगोर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, जयप्रकाश नारायण, आचार्य नरेन्द्र देव, सरोजनी नायडू आदि प्रसिद्ध नेताओं ने भी प्रगतिशील लेखक संघ का दिल से स्वागत किया।

प्रगतिशील लेखक संघ के बनने के बाद साहित्य का स्वरूप बदला,उर्दू शायरी भी इससे अछूती नहीं रही।वह आशिक- माशूका के दायरे से निकलकर आम जनता की दिक्कतों, उसकी लड़ाई ,दुखदर्द को अपने में समेटने लगी तथा पीड़ित, शोषित वर्ग को सजग बनाकर हौसला अफ़ज़ाई करने लगी ।कविता के क्षेत्र में भी जबरदस्त परिवर्तन आया, छंदबद्धता की बाधा को निराला ने तोड़ना शुरू किया,भावों की जगह विचारों ने ली।जीवन की सच्चाईयां एवं विरोध के स्वर लेखन में उभरे तथा अलंकरणों का स्थान विम्बों ने लिया ।

प्रगतिशील लेखक संघ के गतिशील होने के बाद जीवन की सच्चाइयां और अनुभूतियां यथार्थ रूप में मुखर होने लगीं यह बदलाव संपूर्ण देश की भाषाओं में लिखे साहित्य में भी साथ-साथ आया साहित्य अब विरोध की सार्थक अभिव्यक्ति बन एक आंदोलन के रूप में आ गया था जिसमें शोषणमुक्त भारत ही मूलतः प्रगतिशील लेखन का स्वप्न था।

लेकिन आज़ादी के बाद भी जब परिदृश्य नहीं बदला सरकार आम जन की पीड़ा के साथ नज़र नहीं आई, तो सरकार से इन लेखकों का मोहभंग हुआ और तत्कालीन लेखकों ने शासन की रीति-नीति के विरुद्ध लिखना प्रारंभ किया जो उनका दायित्व था । नागार्जुन, त्रिलोचन, केदारनाथ, हरिशंकर परसाई से प्रारंभ हुआ यह लेखन एक बार फिर समूचे देश में शुरू किया गया जो वर्तमान में अभी तक जारी है लेकिन दक्षिण पंथी विचारों वाली सरकार के चलते आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ख़तरे में है, सरकार विरोधी लेखन निशाने पर है हमारे पांच प्रगतिशील विचारक डॉ. नरेंद्र दाभोलकर, कामरेडगोविंदपानसरे,डॉ. एम.एम. कलबुर्गी और संपादक गौरी लंकेश की जिस तरह हत्या की गई वह ना केवल चिंतनीय है बल्कि प्रगतिशील सोच पर विराम लगाने की एक सोची समझी साज़िश लगती है।

हालांकि इस समय संसार की प्रगतिशील और प्रतिक्रियावादी शक्तियों में अनवरत यह संग्राम चल रहा है। पूंजीवादी संकट आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों को लीलता जा रहा है फलस्वरूप साहित्य,कला,दर्शन, तथा विज्ञान में भी विकृतियां नज़र आ रही हैं। आज के साहित्य में विशेषकर निराशावादी, प्रतिक्रियावादी, रूढ़िवादी स्वभाव की बाढ़,तरह-तरह के आदर्शवादी मतों का प्रचार,रहस्यवाद के गड़े मुर्दों में पुनः जान डालने की कोशिश तथा वैज्ञानिक मतों को झुठलाने की मुहिम चल रही है। ऐसे हालात में क्या हम मीरा की तरह प्रेम दीवाने बनकर गरल पान करते रहेंगे या तुलसी की तरह -कोई नृप होहि हमहू का हानि की रट लगाए रहेंगे? आज ज़रूरी है कि साहित्य को नीतिशास्त्र ना बनाएं,कष्टों का रोना भी ना रोयें बल्कि साहित्य के मानदंडों को ऊंचा करना होगा जिससे वह समाज की अधिक मूल्यवान सेवा कर सके। हमें अपनी रुचि के अनुसार विषय चयन कर उस पर पूर्ण अधिकार प्राप्त करना होगा ताकि वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र की आलोचना तथा विवेचना कर सके।

प्रेमचंद का मानना है- कि हमारी कसौटी पर वही साहित्य खरा उतरेगा जिसमें उच्च चिंतन हो,स्वाधीनता का भाव हो, सृजन की आत्मा हो, जीवन की सच्चाईयों का प्रकाश हो,जो हममें गति,संघर्ष और बेचैनी पैदा करे, सुलाये नहीं। वस्तुतः प्रगतिशील लेखक संघ ऐसी व्यवस्था चाहता है जिसमें मनुष्य दुखी ना हो, समाज में अन्याय, अत्याचार,शोषण ना हो मनुष्य मुक्त हो,विवेकशील हो, अंधविश्वासों को छोड़कर वैज्ञानिक दृष्टि अपनाएं।हरिशंकर परसाई जी कहते हैं- नारे कितने भी अच्छे हों , बेकार हैं यदि रचना के स्तर पर हम कमजोर पड़ते हैं। हमें बहुत जागृत रहना है। इसलिए बेचैन मानसिकता की जरूरत है। जागृत चेतना बेचैन रहती है। प्रगतिशील लेखक संघ राजनीति और साहित्य के पारस्परिक संबंधों की मान्यता को भी स्वीकार करता है क्योंकि समाज में आधारित व्यवस्था में बदलाव आखिरकार राजनीतिक तरीकों से ही लाना होता है इसलिए नई कविता के युग प्रवर्तक मुक्तिबोध मानते थे- कि शोषण मुक्त समाज की स्थापना एवं मनुष्य की सत्ता का निर्माण करने का एकमात्र मार्ग राजनीति है,जिसका सहायक प्रगतिशील साहित्य है ।

निश्चित तौर पर आज प्रगतिशील साहित्य के लेखकों का उत्तर दायित्व और बढ़ गया है और जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जोखिम उठाने का माद्दा सिर्फ प्रगतिशील लेखकों के पास ही है इसलिए साहित्य में आज इसी तासीर की जरूरत है जो आदमी को अर्थ दे, जीने का। आज साहित्य में समाज के प्रति संवेदना की जरूरत है। समाज में आमूलचूल परिवर्तन आवश्यक है यातनामयी, कारुणिक दृश्यों से भयाक्रांत होकर आंख ना मूंदे, चीत्कार के बीच कानों में रुई ठूंसने की बजाए आंख और कान खोलकर लेखन करें। कला और साहित्य समाज को बदलने के लिए हैं।निराश ना हो देखिए किसी ने क्या खूब लिखा है-

प्रेमचंद कैसे पैदा ना हो
इस कलम को तो कुदाल कीजिए?

आइए ,अभिव्यक्ति के ख़तरे उठाने प्रतिबद्ध हों।खुलकर लिखते रहें यह आमजन के हित में ही नहीं बल्कि दुनिया को बेहतर बनाने के लिए भी ज़रूरी है। अंत में,विश्व के जाने-माने लेखक वारंट व्हिटमेन का ये विचार- कि हमारा साहित्यिक नारा कला कला के लिए नहीं बल्कि कला समाज को बदलने के लिए हैं। इस नारे को बुलंद करना प्रत्येक प्रगतिशील साहित्यकार का कर्तव्य है ।

अब बैतूल रेलवे माल गोदाम में आधुनिकतम मशीनों द्वारा वैगन से माल लोडिंग/ अनलोडिंग प्रारम्भ

श्रमिकों को भारी लोडिंग/अनलोडिंग से मिलेगी राहत

बैतूल। रेलवे द्वारा अब अत्याधुनिक मशीन (कन्वेयर बेल्ट) द्वारा वैगनों से ट्रकों में लोडिंग/ अनलोडिंग प्रारंभ की गई है। यह कार्य रेलवे द्वारा जनक इंटरप्राइजेस भोपाल को दिया गया है। कंपनी के डायरेक्टर शुभम वबले ने इन अत्याधुनिक मशीनों की खूबियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इन मशीनों से कार्य की गति बढ़ी है एवं श्रमिकों का जोखिम भी बहुत कम हो गया। एक कन्वेयर बेल्ट से एक वैगन को 30 से 45 मिनट में खाली किया जा रहा है, जिससे 42 वैगन मात्र 9 घंटे में खाली किए जा सकते हैं वहीं पहले 56 घंटे में 42 वैगन खाली होते थे, जिससे रेलवे को करोड़ो रुपए का नुकसान होता था, जिसको डेमरेज रेंट एवं वार फेयर से पूरा नहीं होता, अब इस मशीन के संचालन से 24 घंटे में दो गाडियों का रेक खाली किया जा सकता है, जिससे रेलवे को दुगुना व्यापार मिलेगा और साथ में श्रमिको को भारी लोडिंग एवं अनलोडिंग से राहत भी मिलेगी। जिसके साथ-साथ बैतूल के व्यापारी बंधुओं के व्यापार में भी तीव्र गति से अब वृद्धि होगी। इस कार्य को स्थानीय व्यापारियों द्वारा भी काफी सराहा जा रहा है।

जनजातीय कार्यालय घोड़ाडोंगरी में 26 लाख से अधिक का गबन, दो निलंबित, तीसरे के विरूद्ध निलंबन की अनुशंसा

कलेक्टर ने दिए एफआईआर के निर्देश

बैतूल। कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी घोड़ाडोंगरी में 26 लाख 20 हजार 178 रूपए की वित्तिय अनियमितता के चलते कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 2 कर्मचारियों को निलंबित कर एफआईआर के निर्देश प्रदान किए है। एक अन्य कर्मचारी रमेश गाजरे, तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी घोड़ाडोंगरी, वर्तमान में प्राचार्य उच्चतर माध्यमिक शाला धनगांव जिला छिंदवाड़ा को निलंबित कर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग भोपाल को पत्र लिखा है। उल्लेखनीय है कि जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी घोड़ाडोंगरी में वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2023-24 के मध्य सॉफ्टवेयर के वेंडर मास्टर में गलत नाम, बैंक खाता नंबर की प्रविष्टि कर फर्जी तरीके से कुल राशि रूपए 26 लाख 20 हजार 178 रूपए की राशि तीन कर्मचारियों ने अलग-अलग अपने रिश्तेदारों के खाते में योजनाबद्ध तरीके से कूट रचना कर अंतरित किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी।

कलेक्टर द्वारा गठित जांच दल द्वारा कूटरचित तरीके से भुगतान करना पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। इनमें राकेश बेडरे सहायक ग्रेड-3 कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, चिचोली के विरूद्ध घोड़ाडोंगरी में पदस्थता अवधि के दौरान फर्जी नामों से 49 देयकों के माध्यम से राशि रूपए 19 लाख 72 हजार 14 रूपए स्वयं के खाते, पुत्री इशिका बेडरे एवं 04 अन्य परिचित (कविता मालवी, राजू मालवी, स्वप्निल पंवार एवं सागर पंवार) के खाते में फर्जी तरीके से भुगतान कराया गया। कलेक्टर द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर इनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी भैंसदेही निर्धारित किया गया। इसी प्रकार एक अन्य कर्मचारी राजेश मन्नासे प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शाला छतरपुर विकासखंड घोड़ाडोंगरी द्वारा 53 देयकों के माध्यम से राज्य की संचित निधि से 6 लाख 48 हजार 164 रूपए अपनी पत्नी सविता मन्नासे एवं 2 अन्य परिचितों नीरज मन्नासे, कमला बाई मन्नासे के नाम से खातों में कूटरचित तरीके से जमा कराई। जांच में आरोप सही पाए जाने पर कलेक्टर के निर्देशानुसार सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य द्वारा इन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर भैंसदेही विकासखंड शिक्षा अधिकारी में पदस्थ किया गया। तीसरे अन्य रमेश गाजरे तत्का.विकासखंड शिक्षा अधिकारी घोड़ाडोंगरी, वर्तमान में प्राचार्य, उच्चतर माध्यमिक शाला धनगांव जिला छिंदवाड़ा द्वारा साफ्टवेयर एवं प्रेक्षकों में सॉफ्टवेयर के वेंडर मास्टर में गलत नाम व गलत बैंक खातों की प्रविष्टि कर 26 लाख 20 हजार 178 रूपए कूटरचित तरीके से बैंक खाते में भुगतान कराए गए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा रमेश गाजरे को आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निलंबन एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई अनुशंसा की गई है।

लोकसभा निर्वाचन के नाम निर्वाचन वापसी पर केशोराव उईके ने लिया नाम वापस

अब बैतूल संसदीय सीट पर 8 प्रत्याशी मैदान में

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 संसदीय क्षेत्र बैतूल में नाम वापसी के अंतिम दिन 9 प्रत्याशियों में से निर्दलीय प्रत्याशी श्री केशोराव उईके द्वारा अपना नाम वापस लिए जाने के उपरांत 8 प्रत्याशी मैदान में है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा नाम वापसी के अंतिम दिन 8 प्रत्याशियों को प्रतीक चिन्ह वितरित किए गए। बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अशोक भलावी को हाथी, भाजपा के प्रत्याशी दुर्गादास उइके को कमल का फूल, इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी रामू टेकाम को हाथ का पंजा, भारत आदिवासी पार्टी के अनिल उईके को हॉकी और बॉल, स्वतंत्र किसान पार्टी के बारस्कर सुभाष कोरकू को गन्ना किसान, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी सुनेर उईके को आरी, निर्दलीय प्रत्याशी भागचरण वरकड़े को अंगूर एवं निर्दलीय प्रत्याशी भूरेलाल बैठेकर को चारपाई प्रतीक चिन्ह आवंटित किए गए। उल्लेखनीय है कि संसदीय क्षेत्र बैतूल में द्वितीय चरण में 26 अप्रैल को मतदान किया जाएगा। बैतूल संसदीय क्षेत्र-29 में अंतिम रूप से नियमानुसार 9 प्रत्याशियों भाजपा से दुर्गादास उईके, बहुजन समाज पार्टी से अशोक भलावी, इंडियन नेशनल कांग्रेस से रामू टेकाम, बहुजन मुक्ति मोर्चा से भूरेलाल बेठेकर, भारत आदिवासी पार्टी से अनिल उईके, निर्दलीय केशोराव उईके, निर्दलीय भागचरण वरकड़े, स्वतंत्र किसान पार्टी/निर्दलीय सुभाष बारस्कर एवं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से सुनेर उईके के द्वारा नामांकन जमा कराए गए थे। इनमें से निर्दलीय प्रत्याशी केशोराव उईके ने स्वेच्छा से अपना नामांकन वापस लिया।

थ्रेसर में गेहूं की बालियां डाल रहा था मजदूर, हाथ का पंजा कटा

बैतूल। जिले में गेहूं कटाई के बाद थ्रेसर करने का काम किसानों द्वारा किया जा रहा है। थ्रेसर करते समय लापरवाही बरतने पर लोग इसकी चपेट में भी आ रहे है। दामजीपुरा इलाके में शनिवार रात को थ्रेसर करते समय एक मजदूर के हाथ का पंजा कट गया। मजदूर मशीन में गेहूं की बालियां डाल रहा था। इस दौरान उसका बाएं हाथ का पंजा मशीन में जाने से पंजा कट गया। एक पखवाड़े में थ्रेसर मशीन पर काम करते समय एक मजदूर की मौत हो गई है, वहीं दूसरा का पेट फट गया था। दामजीपुरा में महाराष्ट्र के कुंड निवासी प्रकाश पिता सोमा पंद्राम (32) अपने साथियों के साथ थ्रेसर मशीन लेकर आया था। वह किसानों के खेत में थ्रेसर करने का काम कर रहा था। रात 11 बजे थ्रेसर मशीन में गेहूं की बालियां निकालने के दौरान उसके बाएं हाथ का पंजा मशीन में चला गया, जिससे उसका पंजा कट गया। घायल प्रकाश को पहले भीमपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया था, जहां से जिला अस्पताल भेज दिया है।

ट्रक की टक्कर में बाइक सवार की मौत, बाजार से वापस आ रहा था गांव, हादसे में दोनों पैर भी टूटे

बैतूल। इंदौर हाईवे पर बीती रात एक बाइक सवार की ट्रक की टक्कर से मौत हो गई। वह बैतूल से बाजार कर दभेरी जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। पुलिस टक्कर मारने वाले ट्रक की तलाश कर रही है। घटना हाइवे पर धनौरा के पास हुई है। खेड़ी चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर इरफान खान के मुताबिक 35 वर्षीय शोभा राम पिता मोंगया भदूस में मजदूरी का काम करता है। वह कल रात बैतूल में बाजार करने के बाद गांव दभेरी लौट रहा था। इंदौर हाइवे पर उसकी बाइक को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। इस टक्कर में शोभा राम के सिर पर गंभीर चोट आई जबकि हादसे में उसके दोनों पैर टूट गए। शोभा राम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया है। शोभा राम सीहार का रहने वाला था। उसके 2 बच्चे है। खेड़ी चौकी ने मृतक का जिला अस्पताल में आज पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। टक्कर मारने वाले ट्रक की तलाश की जा रही है।

विकलांग और वृद्ध मतदाताओं से आत्मीयता से मिली एसडीएम

पूछा हाल, किया सम्मान और तिलक लगाकर दिया मतदान का आमंत्रण

बैतूल/मुलताई। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तृप्ति पटेरिया अपनी तहसील स्तरीय निर्वाचन टीम के साथ विकलांग एवं वृद्ध मतदाताओं के घर पहुंची पूरी आत्मीयता के साथ मतदाताओं का हाल-चाल पूछा दुपट्टा उड़ा कर सम्मान किया और तिलक लगाकर लोकसभा चुनाव मे मतदान का आमंत्रण दिया। शहर के सभी प्रमुख अधिकारियों को अपने समक्ष पाकर वृद्ध एवं विकलांग मतदाताओं के खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य पूर्ण हो सके इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है जिसके तहत 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाता एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग जन जो मतदान केंद्रो तक पहुंचने में असमर्थ है ऐसे मतदाताओं के लिए होम वोटिंग सुविधा प्रारंभ की गई है ताकि मतदाता अपने मताधिकार का उत्साहपूर्वक उपयोग कर सके। मतदान का आमंत्रण देने आज निर्वाचन टीम सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तृप्ति पटैरया,तहसीलदार अनामिका सिंह, नायब तहसीलदार भगवानदास कुमरे, नगर पालिका उप यंत्री योगेश अनेराव ने नगरीय क्षेत्र के वृद्धि एवं विकलांग मतदाता मंजा बाई, शेषराव लोखंडे, उल्लास बाबूराव, चैती शंकर, सुशीला पंजाब राव, हरि शंकर मुन्नालाल मिश्रा, संतोष सोनी, सदाशिव बुवाडे के निवास पर पहुंचे आत्मिकता पूर्ण उनके परिवार और उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारीली और दुपट्टा उड़ाकर उनका सम्मान किया ,तिलक लगाकर मतदान के लिए आमंत्रित किया। निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम तृप्ति पटैरया ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग सत प्रतिशत मतदान लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है इस वर्ष 85 आयु वर्ग के वृद्ध एवं 40 प्रतिशत से अधिक विकलांग मतदाताओं को होम वोटिंग सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है ।मुलताई विधानसभा में लगभग इनकी संख्या 2000 है जिसमें से 277 मतदाताओं ने मतदान के लिए अपनी सहमति दी है । इन मतदाताओं को 12 डी फॉर्म उपलब्ध कराए हैं यह फॉर्म भरने के बाद ऐसे मतदाताओं को होम वोटिंग सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है एसडीएम पटैरया ने बताया कि मतदाताओं से मिलने बाद उन्हें अच्छा लगा है और मतदाताओं में भी मतदान के प्रति उत्साह देखा गया।

बालिका से रेप, पुलिस ने सीहोर से किया आरोपी को गिरफ्तार

थाना बीजादेही पुलिस द्वारा नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

बैतूल। गत 01/04/2024 को 14 वर्षीय पीड़िता द्वारा थाना बीजादेही में रिपोर्ट की गयी थी कि दिनांक 01/04/2024 को पीड़िता अपने घर पर जब अकेली थी और आंगन लीप रही थी, तभी आरोपी कमलेश धुर्वे घर पर आया और पीड़िता को उठाकर घर में ले जाकर उसके साथ गलत काम (बलात्कार) किया। पीड़िता की माँ के द्वारा आरोपी कमलेश को पकड़ने पर आरोपी कमलेश धुर्वे हाथ छुड़ा कर फरार हो गया था। जिसकी रिपोर्ट पर थाना बीजादेही में पॉक्सो एक्ट की धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया हैं। उक्त आरोपी कमलेश धुर्वे घटना दिनांक से ही फरार था जिसकी गिरफ्तारी के लिए टीम तैयार कर सभी संभावित स्थानों पर तलाश की गयी। तलाश के दौरान आरोपी कमलेश धुर्वे पिता जग्गू लाल धुर्वे उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम पाण्डाझिरी थाना बीजादेही को दिनांक 06/04/2024 को नसरुल्लागंज जिला सीहोर से गिरफ्तार किया गया हैं। आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया जाकर न्यायिक हिरासत में जिला जेल बैतूल में निरुद्ध किया जाएगा। उक्त आरोपी कमलेश धुर्वे की गिरफ्तारी में उप निरीक्षक रवि शाक्य थाना प्रभारी बीजादेही, सउनि. संतोष चौधरी, प्रधान आरक्षक देवीप्रसाद सेलुकर, आरक्षक पवन एनिया थाना बीजादेही तथा आरक्षक राजेन्द्र धाड़से साइबर सेल बैतूल की विशेष भूमिका रही।

प्रेमालाप कर रहा सांपों का जोड़ा कुएं में गिरा

सर्पमित्र ने किया रेस्क्यू, दो दिन से पानी में तैर रहे थे

बैतूल। बैतूल के पास उड़दन में आज (रविवार) एक घोड़ा पछाड़ जोड़े का कुएं से रेस्क्यू किया गया। सांप का यह जोड़ा पानी से लबालब कुएं में गिर गया था। जिसे सर्प मित्र ने कुएं में उतरकर पानी से निकाला और जंगल में छोड़ दिया। मामला बैतूल जिला मुख्यालय के समीप ग्राम उड़दन, शक्ति ढाना का है। जहां सुखदयाल यादव के खेत में स्थित कुएं में धामन (घोड़ा पछाड़) सांप का जोड़ा कुएं में गिर गया। जब खेत मालिक ने देखा तो इसकी सूचना सर्प मित्र विशाल विश्वकर्मा को दी। सूचना के बाद सर्पमित्र मौके पर पहुंचा और कुएं में रस्सी की सहायता से नीचे उतरकर सांप को बोरी में भरकर सांप के जोड़े को ऊपर लेकर आया।

फिलहाल सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें अनुकूलित वातावरण में ले जाकर छोड़ दिया गया है। यह घोड़ा पछाड़ सांप आठ आठ फीट लंबे थे। बताया जा रहा है की दोनों प्रेमालाप में मग्न थे। इसी दौरान असावधानी वश कुंए में गिर पड़े। कुंआ गहरा होने के कारण वे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। वे दो दिन से कुएं में ही तैर रहे थे।

पूर्ण आहुति के साथ हुआ शिवमहापुराण कथा का समापन

हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारा प्रसादी में लिया भाग

बैतूल/मुलताई। मुलताई के ग्राम काठी (दूनावा) में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा के पुर्ण आहुति के साथ समापन हुआ। पूर्ण आहुति समापन अवसर पर आसपास के दर्जनों ग्राम के हजारों श्रद्धालु भक्तों ने इस धार्मिक आयोजन मे अपनी उपस्थिति दर्ज की और श्री धाम अमरकंटक कथा वाचिका सुश्री वैष्णवी गौस्वामी जी, के मुखारविंद से प्रवचन का रसपान किया। कथावाचक वैष्णवी गोस्वामी ने अपने प्रवचन में 12 ज्योर्तिलिंग के बारे में सुंदर व्याख्यान दिया और कहा समापन दिवस की कथा जरूर सुनना जिन भी भक्तों ने एक भी दिन की कथा का श्रवण नहीं कीया लेकिन समापन दिवस की कथा श्रवण करा तो सम्पुर्ण कथा का फल मिलेगा। सुश्री वैष्णवी गौस्वामी जी, पार्थिव शिवलिंग पुजन का विस्तार के साथ बताया समापन दिवस पर ग्रामीणों लोगों ने भंडारा प्रसादी का भव्य रूप में आयोजन किया गया जिसमें बजरंग दल मुलतापी के बजरंगी भाई लोग भी उपस्थित होकर देवी जी के मुखारविंद से कथा श्रवण कर आशीर्वाद प्राप्त किया व जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भोजन प्रसादी ग्रहण की जिसमें ग्राम काठी सहित आस पास के ग्रामीणो का विशेष सहयोग रहा।

बालक व कन्या क्रीड़ा परिसर में प्रवेश प्रारंभ, फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल निर्धारित, चयनित छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण मिलेगा

बैतूल। बालक क्रीड़ा परिसर शाहपुर एवं कन्या क्रीड़ा परिसर हमलापुर में प्रवेश के लिए आवेदन शुरु हो गया है। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल निर्धारित की गई है। यहां चयनित छात्रों को निशुल्क आवास, प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थी जिनकी आयु सीमा 11 वर्ष से 18 वर्ष के मध्य है और वह कक्षा 6वी से 12वी कक्षा में अध्ययनरत है, ऐसे अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्रा सत्र 2024-25 में बालक क्रीड़ा परिसर शाहपुर व कन्या क्रीड़ा परिसर हमलापुर बैतूल में प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए संबंधित क्रीड़ा परिसरों में 20 अप्रैल 2024 तक फॉर्म

जमा कर सकते है।15 जून से 20 जून तक विकास खंड स्तर पर चयन व 22 जून से 24 जून तक जिला स्तर पर अंतिम चयन किया जाएगा। गौरतलब है कि क्रीड़ा परिसर में खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को विद्यावार कोच व संबंधित पीटीआई के ओर से निःशुल्क प्रशिक्षण, आवास, भोजन, उपकरण किट, जूते व मोजे सामग्री प्रदान की जाती है। संचालित क्रीड़ा परिसरों में जुडो, सॉफ्टबॉल व एथलेटिक्स खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए सक्षम अधिकारी की ओर से जारी जाति प्रमाण पत्र व विगत वर्षों की अंक सूची और आधार कार्ड लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है। प्रवेश के लिए खिलाड़ियों को विद्याओं से जुड़े टेस्ट व बैटरी टेस्टों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।

चुनाव आयोग ने जारी किए दिशा-निर्देश

बैतूल। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की आचार संहिता लागू होने पर चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार चुनाव संबंधित आवश्यक तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनुभाग स्तरीय प्रशिक्षण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया था जिनके निर्देश पर दिनांक 06/04/24 को चुनाव ड्यूटी में लगने वाले अनुभाग सारणी के पुलिस कर्मचारी/ डब्ल्यूसीएल सुरक्षाकर्मी/ एमपीपीजी सीएल के सुरक्षाकर्मी एवं कोटवारों को चुनाव संबंधी प्रशिक्षण श्रम कल्याण केंद्र सारणी में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल झारिया भी सम्मिलित हुए, उन्होंने चुनाव ड्यूटी के दौरान ड्यूटी से संबंधित कर्तव्यों का निर्वहन करने संबंधी बारीकियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी सारणी रोशन जैन द्वारा मतदान दिवस के दिन किए जाने वाले सुरक्षा उपायों और कर्तव्यों के संबंध में जानकारी दी गई।

सामयिक

अनुराग तागड़े

(वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक)

महिला क्रिकेट को आगे ले जाने में महाराष्ट्र ने बाजी मारी

वुमेंस क्रिकेट में सक्रियता दिखाने में महाराष्ट्र अन्य राज्यों से आगे निकल गया। वहां वुमेंस महाराष्ट्र प्रीमियर लीग इस साल जून से शुरू हो रही है। ऐसी सक्रियता दिखाने में मध्यप्रदेश काफी पीछे रह गया। महाराष्ट्र ने प्रोफेशनल तरीके से इसे अंजाम दिया। यह अन्य क्रिकेट संगठनों के लिए एक सबक है। इस स्पर्धा में कई नामी महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। इसका लाइव प्रसारण भी किया जाएगा ताकि पूरा देश इसे देख सके।

मध्यप्रदेश और खासतौर पर इंदौर को खेल राजधानी कहा जाता है। क्रिकेट में प्रदेश का गढ़ इंदौर ही रहा है। लेकिन, बीते कुछ सालों से महिला क्रिकेट को लेकर आम जनता से लेकर बीसीसीआई में भी काफी उत्साहवर्धक माहौल बना है। महिला क्रिकेटरों को अब पुरुष क्रिकेटरों के समान ही सुविधाएं भी मिल रही है और महिलाएं भी अपने खेल के माध्यम से अपनी अलग छाप छोड़ती जा रही है। कुछ समय पहले तक बीसीसीआई ने प्रत्येक राज्य क्रिकेट संगठनों को आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के तर्ज पर राज्यों में अपनी क्रिकेट की प्रीमियर लीग आरंभ करने की अनुमति दी थी। कई राज्यों ने इसके बाद अपने यहां पर पुरुषों की क्रिकेट लीग आरंभ भी की जिसके काफी अच्छे परिणाम भी सामने आए और टीमें भी खरीदी गई और खिलाड़ियों को भी अपने राज्य में काफी मान सम्मान बढ़ा।

महिला क्रिकेट के मामले में महाराष्ट्र की सक्रियता ज्यादा दिखाई देती है। पिछले साल ही पुरुषों के लिए एमपीएल (महाराष्ट्र प्रीमियर लीग) वहां आरंभ कर दी, जिसे काफी सराहा गया। इस साल से महिलाओं के लिए वुमेन्स महाराष्ट्र प्रीमियर लीग आरंभ करने की घोषणा कर दी। महाराष्ट्र ने जिस प्रोफेशनल तरीके से इसे अंजाम दिया वह देखने लायक है। देश के अन्य क्रिकेट संगठन इससे सीख सकते है। इस स्पर्धा में स्मृति मंधाना, देविका वैद्य, अनुजा पाटिल, किरण नावगिरे, श्रद्धा पोखरकर जैसे बड़े नाम भी शामिल किए गए। ये खिलाड़ी इस लीग में खेलेंगे। इतना ही नहीं इसका लाईव प्रसारण जियो सिनेमा और स्पोर्ट्स 18 पर किया जाएगा ताकि पूरा देश इसे देख सके।

इतना ही नहीं डब्ल्यूएमपीएल (वुमेंस महाराष्ट्र प्रीमियर लीग) की टीमों को खरीदने के लिए तीन साल के लिए 3 करोड़ का बेस प्राईज रखा गया है। विजेता टीम को बीस लाख का इनाम दिया जाएगा और उपविजेता को दस लाख का। महाराष्ट्र की सितारा महिला खिलाड़ियों के अलावा अन्य खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन के लिए प्लेटफार्म मिलेगा। इसके अलावा शानदार ट्रेनिंग और अन्य सुविधाएं मिलेंगी और पैसा और प्रसिद्धि भी मिलेगी। महाराष्ट्र के खिलाड़ियों को देशभर में देखा जाएगा और अगले वर्ष के डब्ल्यूपीएल के लिए और राष्ट्रीय टीम के लिए महाराष्ट्र के खिलाड़ियों के ऊपर ध्यान ज्यादा जाएगा।

मध्यप्रदेश में भी क्रिकेट प्रतिभाओं की कमी नहीं है। पुरुषों में तो कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में भी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है और आईपीएल में भी कर रहे है। महिला क्रिकेटरों में भी प्रदेश के पास प्रतिभाओं की कमी नहीं है जरुरत है पहल करने की। इंदौर महिला क्रिकेट को लेकर गढ़ बन चुका है। प्रदेश भर से लड़कियां अब इंदौर के विभिन्न क्लबों में प्रशिक्षण प्राप्त करने आ रही है। मध्यप्रदेश में अभी पुरुषों के लिए राज्य स्तर की लीग आरंभ करने की बात हुई, परंतु अभी ड्राफ्ट सामने नहीं आया। जहां तक महिलाओं के टूर्नामेंट की बात की जाए तो साल भर में सभी आयु वर्ग में डिविजन और फिर प्रदेश स्तर पर खेलने को मिलता है। अलग से टूर्नामेंट आयोजित नहीं किए जाते, इसका परिणाम यह हुआ है कि कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अन्य राज्यों की ओर रुख करना आरंभ कर दिया है। प्रदेश में क्रिकेट के कर्ताधर्ता चाहे तब पुरुष और महिला क्रिकेटरों के लिए एक साथ लीग आरंभ कर सकते है और प्रदेश भर में ऐसे उद्योगपतियों की भी कमी नहीं जो टीमों को खरीद सके जरुरत है पहल करने और यह पहल सही समय पर होगी तभी महिला क्रिकेटरों को फायदा होगा।

होशंगाबाद जिले की हलचल

संजीव डे राय

किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ता क्षेत्र में उपस्थित..

भाजपा उम्मीदवार दर्शन सिंह चौधरी शायद पार्टी कार्यकर्ताओं सहित वरिष्ठ नेताओं का मिजाज भांप चुके हैं। इसलिए कहा जा रहा है वे फूंक-फूंक कर कदम रख रहे.. दर्शन सिंह चौधरी जो प्रदेश के विभिन्न जिलों से अपने पर्सनल संगठन के जरिए किसान मजदूर संगठन चलाते थे उन्हें बुला चुके जानकारी मिल रही है। तात्पर्य यह है कि पार्टी उम्मीदवार श्री चौधरी को यहां पार्टी संगठन पर विश्वास नहीं जिन्होंने अपनी प्रायवेट सेना सभी क्षेत्र में उतार डाली। इसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में अलग ही मैसेज दौड़ने लगा। कहा जा रहा है कि क्या दूसरे जिलों से आए लोग चुनाव मैनेज कर लेंगे या वे पार्टी के वर्षों से काम करने वाले कार्यकर्ताओ नेताओं की नब्ज जांचेंगे.. बहरहाल होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र की जीत को लेकर भाजपा के भीतर कयासों पर समीक्षा हो रही है। लहर होने के बावजूद कहा जा रहा साढ़े पांच लाख की जीत का रिकॉर्ड भाजपा के पाले में उतनी आसान नहीं जो राव उदयप्रताप सिंह के खाते में रही, फिर कांग्रेस उम्मीदवार संजय शर्मा मंझे हुए दो बार भाजपाई विधायक रह चुके जो पार्टी कार्यकर्ताओं की नब्ज और चुनाव लड़ने की कला जानते हैं फिर संसदीय क्षेत्र के बड़े नेताओं की रेत कारोबार में उनकी व्यापारिक पेठ और उनसे व्यक्तिगत निजी पहचान भला किससे छिपी है..!

कृषि अधिकारी पुराने कलेक्टर की याद ताजा करा रहे..

कलेक्टर रहे एसपी त्रिवेदी के कार्यकाल की एक बार फिर याद ताजा हो चली, कलेक्टर से महिला कर्मचारी अकेले मिलने से घबराती थी, वैसा दौर मुख्यालय पर ऐसे समय सुनाई दे रहा जब कलेक्ट्रेट की कमान महिला कलेक्टर के हाथों में है..! कृषि कर्मचारियों ने अपने वरिष्ठ अधिकारी की शिकायत कर प्रशासन को सकते में डाला था। शिकायत की जांच डिप्टी कलेक्टर ने की, कार्यालयीन कर्मचारियों से पूछताछ कर जिस महिला को लेकर अधिकारी पर आरोप लगे अधिकारी ने उसे एक प्रकार जांच से दूर रखा, एक तरह जांच पूरी किए बिना शिकायत बंद कर दी थी, परिणाम सामने आने लगा। शिकायत के बाद हटाई गई दैनिक वेतन भोगी महिला फिर कार्यालय अपनी पुरानी जगह आ गई और अधिकारी की उदंडता बढ़ गई अधिकारी अब अन्य विभागीय महिला को फाइल के बहाने कुर्सी के बाजू में खड़ा कर नेत्र सुख, किसी भी बहाने उसे छूकर शारीरिक सुख उठा महिला कर्मचारी को प्रताड़ित करने लगे। कर्मचारी कह रहे साहब मर्यादा लांघें इससे पहले जिले की मुखिया को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

यह भी खूब क्या सचमुच अंगूर खट्टे हैं..

अपने पिता को किसी भी तरह विधायक के रुप में देखना चाहते संघ कार्यकर्ता रहे वैभव शर्मा की इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर पार्टी में महत्वपूर्ण पद भी लिया, लेकिन पिता जीत नहीं पाए,

कांग्रेस के गिरते ग्राफ को देख इस बार खुद सुरक्षित होने उन्होंने फिर भाजपा ज्वाइन कर जता दिया पार्टी यहां उनके लिए तो जागीर है और अंगूर खट्टे.. दूसरी तरफ कांग्रेस से भाजपा में आए कद्दावर कांग्रेसी नेता सुरेश पचौरी ने सुना गया कि लगभग 900 कार्यकर्ता को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवा कर मुख्यालय पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ करवा दिया। सोच सोच कर सभी परेशान हैं कि पचौरी जी के कहने से वफादार सहित नो सैकड़ा कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा ज्वाइन कर सकते तो कांग्रेस यहां से हारती क्यों रही ..? बहरहाल इतना जरूर सुनाई दे रहा कि पचौरी जी को एक कांग्रेसी कार्यकर्ता ने आईना दिखा दिया, मुसीबत में उसकी व्यक्तिगत मदद करने वाले कांग्रेसी कार्यकर्ता ने कहा आप पर व्यक्तिगत कोई परेशानी होगी तो वह अपनी जान लगा देगा लेकिन कांग्रेस पार्टी को छोड़कर कांग्रेस से गद्दारी नहीं..

उत्तरप्रदेश के आरटीओ कार्यालय में क्या कर रहे..?

आरटीओ कार्यालय में आखिर पंकज और धीरज क्या करते रहे..? इस हफ्ते जिन्हें आरटीओ ने कार्यालय में जाने से मना कर दिया, धीरज लखनऊ चला गया और पंकज अब कशिश उर्फ मुण्डा सरदार के सहारे दफ्तरी काम कर रहा। दर असल आरटीओ के साथ बाउंसर के रुप में छिन्दवाड़ा से पंकज और धीरज दोनों आए थे और आरटीओ दफ्तर का पूरा कारोबार संचालित कर रहे थे। दोपहर को शुरू होकर रात ग्यारह बजे तक अघोषित चलने वाले दफ्तर में पिछले दिनों संदीप साहू की गाड़ी बगैर उसके हस्ताक्षर बगैर अशोक पाल के नाम पर ट्रांसफर हुई थी। शिकायत के बाद दफ्तर से हटाएं गए आरटीओ कार्यालय में उत्तर प्रदेश के बाउंसर पनाह तो नहीं ले रहे थे, फिर सुनील नामक व्यक्ति जो माली/ चपरासी की पोस्ट पर नियुक्त है अपने मूल काम तो नहीं देखकर सभी महत्वपूर्ण फाइलों को देख रहा है। वैसे तो अब सुना जा रहा है कि मैडम खुद ही सारा काम अपडेट कर रही है। जिसकी वसूली शाम को पंकज कागजात देकर करता है..!

राजनीतिक उठा पटक

चुनाव जैसे जैसे नजदीक आते जा रहे है उसे लेकर मतदाताओं में चर्चा का दौर शुरू हो गया है, होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र की बात की जाए तो राजनीतिक गणितज्ञों के सारे गणित फेल होते नजर आ रहे है। नेताओं ने वर्तमान में ऐसी चाल चली कि वोटर तक सकते में आ गए विपक्ष ने स्वयं अपने आप को खत्म कर लिया है कांग्रेसी दिग्गज नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। राजनीतिक जानकार कहते है यदि विपक्ष नही होता है, तो लोकतंत्र खतरे में होता है। इसमें जिस तरह से कांग्रेसियो ने पाला बदला है उससे तो दिखाई दे रहा है कि भाजपा भी कांग्रेसी हो गई है वही लोग, वही नेता, वही चेहरे भाजपा में दिखाई देने लगे है। इसमें गौर करने वाली बात यह है कि कांग्रेस क्यो डूबी थी.? जिसके पीछे यही वो चेहरे थे जिन्होंने कांग्रेस को ठिकाने लगाया था उन्हें भाजपा में शामिल होना थोड़ा अलग लगता है पर किसी मकसद या किसी मतलब के कोई इतनी पुरानी पार्टी नही छोड़ता है क्या.? जिनके मकसद होते है मतलब होते है तभी जनता को नजरंदाज कर पार्टी बदली वो आज फ़ोटो खिंचवा कर भाजपा में आने की घोषणा कर रहे है ।

और अब चलते-चलते..

चुनावी आचार संहिता लागू है लेकिन इसका प्रभाव जिला अस्पताल में दिखाई नहीं दिया मसलन आज मेडिकल बोर्ड की बैठक थी और उसमें डिप्टी कलेक्टर महोदय शामिल थी, चिकित्सीय कर्मचारी इसे लेकर कह रहे थे कि डिप्टी कलेक्टर को किसी विशेष प्रयोजन के लिए दबाव देने हेतु भेजा गया या फिर संबंधित अधिकारी के शायद चिकित्सालीय डिप्लोमा पास कर लिया..

श्री अनंतनाथ,श्री अरनाथ भगवान को मोक्ष कल्याणक पर लाडू चढ़े आहु व धार में

धार। जैन धर्म के 14 वे तीर्थंकर भगवान श्री अनंतनाथ जी और 18 वे तीर्थंकर भगवान श्री अरहनाथ जी का मोक्ष कल्याण सोमवार चैत्र कृष्ण अमावस के दिन तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी जी से हुआ था. सोमवार को धार के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर और शहर के समीप प्राचीन संकट मोचन श्री आहु पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पर बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया.शांतिनाथ मंदिर में भगवान के मस्तक पर शांति धारा व निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य विजय रावका व विमल गोधा परिवार को प्राप्त हुआ व आहु पार्श्वनाथ दरबार में शांतिधारा व लाडू का लाभ विवेक खुशी जैन पथरिया व सुरेंद्र आशीष जैन को मिला .मीडिया प्रभारी पारस जैन गंगवाल ने बताया कि13 अप्रैल को भगवान अजीत नाथ जी का व 14 अप्रैल को संभव नाथ जी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर निर्वाण लाडू चढ़ेंगे.19 अप्रैल को भगवान सुमतिनाथ जी का जन्म व मोक्ष कल्याणक मनाया जाएगा . समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल संजय बगड़ी ने बताया कि 21 अप्रैल को भगवान महावीर जन्म कल्याण महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा इस अवसर पर समग्र जैन समाज की विशाल रथ यात्रा निकलेगी।

भाजपा लोकसभा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर 9 और 10 अप्रैल को करेंगी जनसंपर्क

सावित्री ठाकुर 9 को महू विधानसभा और 10 को बदनावर में करेंगी जनसंपर्क

धार। भाजपा की धार - महू लोकसभा प्रत्याशी पूर्व सांसद सावित्री ठाकुर अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत 9 अप्रेल 2024, मंगलवार को महू विधानसभा में विधायक उषा ठाकुर के साथ तूफानी जनसंपर्क कर 13 मई को होने जा रहे चुनाव के लिए संपर्क से समर्थन मांगकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार सरकार बनाने के लिए अपील करेगी। भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर महू विधानसभा क्षेत्र के प्रातः 11 बजे दतोदा से प्रारंभ कर ग्राम शिवनगर,जोशी मुड़रिया, घोसी खेड़ा,सिमरोल,बाई ग्राम, चौरल,

अम्बा चंदन,गुजर खेड़ा होते हुए मानपुर रात्रि 8 बजे पहुंचकर जनसंपर्क करेंगी।

10 अप्रैल को बदनावर विधानसभा में जनसंपर्क- भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर 10 अप्रैल बुधवार को बदनावर विधानसभा सदलपुर मंडल ग्राम खेरोद सुबह 9 बजे से अपना जनसंपर्क करेंगी। तय कार्यक्रम अनुसार 10 बजे सादलपुर,11 बजे बिजुर,12 बजे केसुर,1 बजे कंडारिया सरवनिया,2 बजे ढोलाना खुर्द,2:30 बजे,3:30 बजे पायकुंडा,4:30 बजे मुरड़का,5:30 बजे नागोरा,6:30 बजे पलवाड़ा, रात्रि 9 बजे माकनी(नागदा) में समापन होगा। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

शिक्षिका से रिश्वत के आरोप में प्राचार्य को पकड़ा लोकायुक्त की टीम ने

देवास/मोहन वर्मा। देवास के संजय नगर स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्य तिलकराज सेम को आज लोकायुक्त की टीम ने अपने ही स्कूल की एक शिक्षिका पद्मा बाथम से रिश्वत लेने के आरोप में लोकायुक्त की टीम ने रंगेहाथ धर दबोचा । जानकारी के अनुसार काम को लेकर आए दिन परेशान करने और कलेक्टर से शिकायत करने के नाम पर धमकाते हुए शिक्षिका से बीते कई माहों से आरोपी प्राचार्य द्वारा प्रतिमाह छः हजार रुपए वसूले जा रहे थे।परेशान शिक्षिका ने इस संबंध में लोकायुक्त उज्जैन में 04 अप्रैल को अपनी शिकायत

दर्ज करवाई थी । इसके बाद लोकायुक्त टीम ने पूरी जानकारी बटोरने और साक्ष्य, रिकार्डिंग के आधार पर यह पाया कि प्राचार्य सेम अब प्रतिमाह पांच हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया है । आज शिक्षिका के मासिक वेतन मिलने के समय प्राचार्य द्वारा पांच हजार रुपए लेते उसे लोकायुक्त टीम द्वारा धर दबोचा गया ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शारीरिक प्रकटोत्सव कार्यक्रम आज

धार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ धार नगर के शारीरिक प्रकटोत्सव कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने जा रहे है । इसी कड़ी में शताब्दी वर्ष के निम्मित आज 9 अप्रैल को शाम 7 बजे धार के किला मैदान पर कार्यक्रम की शुरुआत होगी। जिसको लेकर संघ के स्वयंसेवक विगत दो माह से विभिन्न प्रकार के शारीरिक कार्यक्रमों का अभ्यास कर रहे हैं । पूरे वर्ष संघ की शाखाओं

में होने वाले कार्यक्रमों का प्रकटीकरण स्वयंसेवकों द्वारा किया जायेगा । कार्यक्रम में स्वयंसेवकों के अलावा नगर के गणमान्य नागरिक, प्रबुद्ध जन भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथि आगमन, आद्य सरसंघचालक प्रणाम , विभिन्न शारीरिक कार्यक्रम तत्पश्चात वक्ता का बौद्धिक रहेगा।

कार्यक्रम में कुछ अद्भुत कलाकृतियां संघ के स्वयंसेवकों द्वारा प्रदर्शन के रूप में की जायेगी । जो एक आकर्षण का केंद्र रहेगी । संघ के स्वयंसेवक घर घर जाकर कार्यक्रम का निमंत्रण भी दे रहे है । कार्यक्रम के माध्यम से समाज को संघ के अनुशासन से अवगत होने का भी अवसर प्राप्त होगा । जानकारी नगर कार्यवाह मृणाल दौराया ने दी।

भूमि सुपोषण 'माता भूमि पुत्रोहं पृथिव्या' अभियान से जुड़कर अपने खेत ,अपनी मिट्टी को सुपोषित, संरक्षण करें : भाऊसाहब भुस्कुटे लोक न्यास

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। वर्तमान में खेती के तौर-तरीकों एवं वातावरण में हुए बदलाव का भूमि तथा पानी दोनों पर असर पड़ा है। परिणाम स्वरुप मृदा में उपस्थित जीवांश कार्बन के साथ साथ लाभदायक सूक्ष्म जीवों की विविधता एवं क्रियाशीलता भी प्रभावित हुई है। जिसका कारण अधिक मात्रा में हानिकारक कृषि रसायनों- कीटनाशी, फफूंदनाशी, खरपतवारनाशी तथा आवश्यकता से अधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करने के साथ इसके अलावा नरवाई या फसल अवशेष को खेत में ही जला देना भी एक प्रमुख कारण है। ऐसा करने से मिट्टी के जैविक गुणों, जीवांश कार्बन और लाभदायक सूक्ष्मजीवो में कमी आने की वजह से मिट्टी की उपजाऊ क्षमता में दिन प्रतिदिन गिरावट आ रही है।दूसरे परिप्रेक्ष्य में देखें तो आज मृदा में गोबर की खाद (जीवांश युक्त खाद) भी पर्याप्त मात्रा में नही पहुंच पा रही है। जिससे मृदा को न तो पर्याप्त पोषण मिल पा रहा, ना ही लाभदायक सूक्ष्म जीवो की क्रियाशीलता के लिए एक अनुकूल सूक्ष्म मृदा पारिस्थितिकी तंत्र बन पा रहा हैं । उक्त संदर्भ में भाऊसाहब भुस्कुटे लोक न्यास गोविन्दनगर बनखेड़ी के संचालक अनिल जी अग्रवाल ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि उपरोक्त समस्त बातों को ध्यान में रखकर हमें अपने कृषि कार्य वातावरण, मृदा के स्वास्थ को ध्यान में रखकर करना होगा ।जिससे लम्बे समय तक हम सब को अन्न उपजाकर देने वाली हमारी धरती माँ को जीवंत बनाकर रख सके । इसके साथ ही उत्पादन में गुणवत्ता युक्त अनाज तथा अन्य फसलें प्राप्त कर सके । आपने आगे कहा कि आज अतः हमें भूमि को जीवंत एवं सुपोषित करने के लिए ÷ भूमि सुपोषण÷ के संकल्प के साथ अपने कार्य करने होगे एवं ÷माता भूमि पुत्रोहं पृथिव्या÷ इस वाक्य को सार्थक बनाकर अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करना होगा ।आईए हम सब मिलकर शुक्ल प्रतिपदा 9 अप्रैल दिन मंगलवार 2024 (विक्रम संवत 2081) को ÷भूमि सुपोषण÷ अभियान से जुड़कर अपने खेत अपने गाँव की मिट्टी का पूजन कर इसे सुपोषित एवं सरंक्षण करने का संकल्प ले !

संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद से कुल 12 अभ्यर्थी लड़ेंगे चुनाव

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में चुनाव चिन्ह आवंटित करने की प्रक्रिया आज 08 अप्रैल सोमवार को संपन्न हुई। जिसमें सामान्य प्रेक्षक प्रतीम. बी. यशवंत एवं व्यय प्रेक्षक मीना कुमारी मीना की उपस्थिति में संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद से चुनाव लड़ने वाले समस्त अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। इस क्रम में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य राजनीतिक दल में से भारतीय जनता पार्टी दल से अभ्यर्थी दर्शन सिंह चौधरी को कमल का निशान आवंटित किया गया। इसी प्रकार बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी राम गोविंद बरुआ को हाथी का निशान, इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी संजय शर्मा उर्फ संजू भैया को हाथ का निशान आवंटित किया गया। पंजीकृत राजनीतिक दल राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त एवं राज्य के राजनीतिक दलों को छोड़कर भारतीय युवा जन एकता पार्टी के अभ्यर्थी पंडित दिव्येन्द्र बृजमोहन दुबे को हीरे का चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया, इसी प्रकार भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के अभ्यर्थी माखन सिंह लोधी को बांसुरी चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया। इन सब के अतिरिक्त अन्य निर्दलीय अभ्यर्थियों जिसमें ज्योति सुरेश झारिया को आरी चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया, पत्रकार तिलक जाटव को केतली चुनाव चिन्ह, पंडित बृजेश खेमरिया को एयर कंडीशनर चुनाव चिन्ह, मुकेश यादव को ब्लैक बोर्ड चुनाव चिन्ह, युवराज गव्हाड़े को अलमारी का चुनाव चिन्ह, राकेश राम प्रसाद रिकी को गन्ना किसान का चुनाव चिन्ह एवं सरजेराव सहारे को चारपाई का चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया

धार गायत्री शक्तिपीठ पर श्रद्धा ,भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा चैत्र नवरात्रि और हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा पर्व

धार। धार जिला मुख्यालय (महेश नगर) स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि और हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा पर्व श्रद्धा , भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मंगलवार (9 अप्रैल) को नवरात्र के प्रथम दिन सुबह घट स्थापना के साथ चैत्र नवरात्रि पर्व की शुरुआत होगी। सुबह के सत्र में आरती पश्चात् सामूहिक गायत्री जाप किया जायेगा। 9 बजे से यज्ञ और संस्कार प्रारंभ होंगे। संध्या काल में नाद योग, सामूहिक जाप, गायत्री चालीसा पाठ और आरती की जायेंगी। जप, तप , साधना एवं आराधना का यह क्रम 17 अप्रैल तक प्रति दिन इसी तरह चलेगा

नवरात्र के प्रथम दिन हिंदू नव वर्ष गुडीपड़वा का पर्व भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा । इस अवसर पर उपस्थित सभी गायत्री परिजन हिंदू नव वर्ष गुडीपड़वा के विषय और महत्व के बारे में चर्चा करेंगे।

भूतड़ी अमावस्या पर नींबू-तलवार लेकर लगाई डुबकी

सेठानी घाट पर तंत्र साधना, उज्जैन में क्षिप्रा तट पर जुटे श्रद्धालु

भोपाल। चैत्र माह की अमावस्या (सोमवती अमावस्या) के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने नर्मदापुरम में मां नर्मदा में स्नान किया। सोमवार तड़के से ही नर्मदा के सेठानी और दूसरे घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ है। उज्जैन में शिप्रा के तट और बावन कुंड पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान-ध्यान कर पूजन किया। चैत्र अमावस्या को कुछ क्षेत्रों में भूतड़ी अमावस्या भी कहा जाता है। सोमवार को अमावस्या होने से स्नान का महत्व और बढ़ गया। तंत्र साधकों ने भी पूजन किया। इटारसी, हरदा, बैतूल और आसपास के शहरों से लोग स्नान के लिए नर्मदापुरम आए। 9 अप्रैल से हिंदू नववर्ष, नए विक्रम संवत, नवरात्रि की शुरुआत होगी। चैत्र अमावस्या के दिन स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। ब्राह्मण और गरीबों को अनाज, बर्तन, कपड़े दान कर भोजन कराया जाता है। नववर्ष, नवरात्रि और घट स्थापना से पहले श्रद्धालु स्नान करने आते हैं। सोमवती भूतड़ी अमावस्या पर्व एक साथ आने से नर्मदा-कावेरी संगमघाट पर एक लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। इस दौरान कुछ दृश्य हैरान करने वाले भी नजर आए। नागरघाट पर कई तांत्रिकों ने जमीन पर लेटी महिलाओं कि छाती पर खड़े होकर तांत्रिक क्रियाओं को अंजाम दिया। इसके लिए कई महिला-पुरुष तांत्रिकों के आगे सर आसमान में कर लेट गए तो कई तांत्रिक अपनी जवान तलवार से काटते दिखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिंहस्थ के शाही स्नान में भी इतने लोग नहीं पहुंचे थे, श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परेशान होना पड़ा। बताया गया कि सोमवार को करीब चार लाख श्रद्धालुओं ने नर्मदा स्नान कर तांत्रिक क्रियाओं को अंजाम दिया। चैत्रमाह की सोमवती भूतड़ी अमावस्या को नर्मदा स्नान तांत्रिक क्रियाओं के लिए श्रद्धालुओं को ओंकारेश्वर पहुंचने का सिलसिला रविवार से ही शुरू हो चुका था। लोगों ने ओंकारेश्वर पहुचकर नर्मदा नदी के अनेक घाटों पर स्नान किया। पूजन किया। इसके बाद भगवान ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योर्तिलिंग के दर्शन कर ओंकार पर्वत की परिक्रमा भी लगाई। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सोमवार से ही नगर में सभी प्रकार के वाहनों के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। ओंकारेश्वर से 12 किलोमीटर दूर मोरटक्का में सभी वाहनों को रोक दिया गया। कोठी से लेकर ओंकारेश्वर औंकार पर्वत की परिक्रमा करने में श्रद्धालुओं को करीबन 18 किलोमीटर का रास्ता भीषण गर्मी में तय करना पड़ा, लेकिन नर्मदा कावेरी संगम घाट ओंकार पर्वत नगर के बाहर पार्किंग में श्रद्धालुओं को छांव एवं पेयजल के लिए परेशान होते हुए देखा गया। श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा संख्या नर्मदा कावेरी संगमघाट पर थी। यहां करीब 1 लाख श्रद्धालुओं ने नर्मदा स्नान के साथ ही तांत्रिक क्रियाओं को अंजाम दिया। ओंकार पर्वत की परिक्रमा भी लगाई। सोमवार को नर्मदा कावेरी संगम घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के स्नान करने के दौरान पैर रखने तक की जगह भी नहीं थी। इसी प्रकार के हालात नागरघाट एवं अभयघाट पर भी थे, यहां भी पूरे दिन लाखों श्रद्धालुओं ने नर्मदा स्नान

● ओंकारेश्वर में उमड़ा आस्था का मेला, चार लाख ने किया स्नान

ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के अनेक घाटों पर स्नान चलता रहा। नगर में जिधर नजर जाती थी उधर श्रद्धालु-श्रद्धालु नजर आ रहे थे। नवीन बस स्टैंड से लेकर जेपी चौक तक सुबह 4:00 बजे के बाद तो इतनी अधिक भीड़ हो चुकी थी कि पुरे मार्ग में श्रद्धालुओं का रेलमपेल मच्ची हुई थी। भूतड़ी अमावस्या को नर्मदा स्नान के लिए पहुंचे अनेक श्रद्धालुओं ने कहा कि नर्मदा-कावेरी संगमघाट पर किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं है। बड़े-बड़े पत्थरों पर ही श्रद्धालुओं को स्नान करना पड़ता है। यहां पर घाट निर्माण की सख्त आवश्यकता है। आगर-मालवा से आए जीवनसिंह मुकाती ने कहा कि वो 15 वर्षों से सोमवती भूतड़ी अमावस्या पर नर्मदा स्नान के लिए ओंकारेश्वर पहुंचते हैं। संगमघाट पर पूरे परिवार के लोगों के साथ तांत्रिक क्रियाएं करते हैं। घाट पर निर्माण तो हुआ है, लेकिन वह बहुत ही छोटा है। शासन को यहां पर घाट का दायरा बढ़ाना चाहिए। कावेरी संगम घाट के दोनों ओर बड़े-बड़े पत्थर ही पत्थर हैं। यहां पर पैदल चलना भी मुश्किल है। उज्जैन जिले के तराना के घनश्यामसिंह पटेल ने बताया कि हर वर्ष श्रद्धालुओं की ओंकारेश्वर पहुंचने की संख्या बढ़ रही है। जबसे धाराजी जलमग्न हुआ है उसके बाद ओंकारेश्वर में नर्मदा कावेरी संगमघाट पर ही श्रद्धालुओं का तांत्रिक क्रियाओं के लिए मुख्य केंद्र बन गया है। शासन प्रशासन को दौनों तटों पर इस घाट का विस्तार करना चाहिए। ओंकारेश्वर नगर परिषद के सीएमओ संजय गीते ने कहा कि दोनों पर्व एक साथ आने से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। स्थानीय प्रशासन की ओर से मूलभूत सुविधा के इंतजाम किए गए थे, लेकिन उम्मीद से अधिक श्रद्धालु ओंकारेश्वर पहुंच गए थे। इसलिए थोड़ी-बहुत परेशानी हुई होगी।

सीएम मोहन यादव आज पहुंचेंगे मैहर

नवरात्रि के पहले दिन मां शारदा के दर्शन कर करेंगे चुनावी सभा

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को मैहर आएंगे। मुख्यमंत्री नवरात्रि के पहले दिन यहां माता शारदा के दर्शन करेंगे। इसके बाद एक चुनावी जनसभा में शामिल होंगे। सीएम के मैहर आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। लोकसभा चुनावी मौसम में सीएम यादव सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर जबलपुर से हेलीकॉप्टर से मैहर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री सबसे पहले माता शारदा के दर्शन करने जाएंगे और फिर उनका आशीर्वाद लेकर चुनावी जनसभा में शामिल होंगे। मैहर के घंटाघर में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित जनसभा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री दोपहर 11 बजकर 20 मिनट पर हेलीकॉप्टर से बालाघाट रवाना हो जाएंगे। सीएम मोहन यादव के दौरे से पहले तैयारियों को लेकर जायजा लेने एएसपी मुकेश कुमार वैश्य व विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी भी पहुंचे। नवरात्रि के पहले ही दिन मुख्यमंत्री के मैहर दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नवरात्रि मेला होने के कारण हालांकि यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि मेले की व्यवस्था के ही बीच सीएम का प्रोग्राम को लेकर भी पुलिस कर्मियों एवं अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती की जानी है। एडिशनल एसपी मुकेश कुमार वैश्य ने विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी और मैहर टीआई अनिमेष द्विवेदी के साथ सोमवार को आयोजन स्थल का मुआयना कर तैयारियों का जायजा लिया। उधर, मैहर भाजपा ने भी घंटाघर में मुख्यमंत्री की सभा के लिए इंतजामों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मौजूदा दौर में सीएम डॉ. यादव का सतना लोकसभा क्षेत्र में दूसरा और मैहर जिले में पहला दौरा है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में आज देश में न भ्रष्टाचार न आतंकवाद

लोकसभा चुनाव में जीत के लिए पंच-सरपंच की अहम भूमिका : विष्णुदत्त शर्मा

पन्ना। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकसभा का चुनाव इस बार बहुत महत्वपूर्ण है। आज 17 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नेतृत्व कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में रोज भाजपा का परिवार बढ़ रहा है।

दुनिया के 50 देशों के प्रतिनिधि इस बार लोकसभा चुनाव में यह अध्ययन करने आए हैं कि भारतीय जनता पार्टी किस तरह से काम करती है और उसका मूल कहां है। पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल कैसे बन गई और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कैसे काम और विकास कैसे किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी का मूल सरपंच और बूथ अध्यक्ष होते हैं। इसलिए लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने में पंच-सरपंच की भी भूमिका बड़ी होगी,क्योंकि आप लोग सीधा जनता से जुड़े हुए होते हैं। चाहे पंच-सरपंच हों या पूर्व सरपंच या जिला पंचायत सदस्य, सब पार्टी की ताकत हैं। कार्यकर्ताओं की ताकत ही हमें दुनिया का सबसे बड़ा दल बनाती है। सरपंचों ने अपने-अपने क्षेत्रों के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी और देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुड गवर्नेंस के साथ देश का विकास किया और दुनिया में अब भारत का डंका बज रहा है। यह बात प्रदेश अध्यक्ष व खुजराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने पन्ना जिले के सिंहपुर में जिला पंचायत सदस्य,सरपंच-पंच सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत में हर क्षेत्र में विकास हुआ और हर वर्ग का उत्थान हुआ है। श्री शर्मा ने पन्नात विधानसभा के विभिन्नर कार्यक्रमों में शामिल होकर ग्रामवासियों से संपर्क कर संवाद किया।

डबल इंजन की सरकार में हुआ विकास ही विकास

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास ही विकास हुआ है। पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला और आयुष्मान योजना से लोगों का जीवन बदल दिया। आज लोगों के पास रहने को घर भी है और इलाज कराने की चिंता भी नहीं रहती है। प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 2003 के बाद प्रदेश की तस्वीर बदल दी और अब देश में मध्यप्रदेश तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बने, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों के खातों में हर साल 12 हजार रुपए और बहनों के खातों में हर महीने 1250 रुपए आ रहे हैं इससे उनके चेहरों पर खुशियां दिखाई दे रही हैं।

भारत के लोग नहीं, सारी दुनिया कह रही है-फिर एक बार मोदी सरकार : डॉ. महेंद्र सिंह

राजगढ़। आपके क्षेत्र में मतदान 7 तारीख को होना है और लोकसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान पर सिर्फ आपकी नहीं, पूरी दुनिया की नजरें हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बीते 10 सालों में जो काम किए हैं, उनका प्रभाव हर तरफ दिखाई देता है। यही वजह है कि सिर्फ भारत के लोग ही नहीं, बल्कि आज सारी दुनिया यह कह रही है-फिर एक बार, मोदी सरकार। यह बात मध्यप्रदेश लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने सोमवार को राजगढ़ लोकसभा की ब्यावरा विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। सम्मेलन को सांसद एवं लोकसभा प्रत्याशी श्री रोडमल नागर, प्रदेश सरकार के मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर एवं पूर्व मंत्री बद्रीलाल यादव ने भी संबोधित किया। डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने हमारी पुरातन संस्कृति को सहेजने के लिए कई कदम उठाए हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, बद्रीनाथ व केदारनाथ धाम का

विकास, अयोध्या में श्री रामलला का भव्य मंदिर निर्माण प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की सरकार के ऐसे ही कदम हैं। मोदी जी की सरकार हमारे तीर्थों को भी उनकी प्राचीन पहचान दे रही है। उदाहरण के लिए इलाहाबाद का नाम फिर प्रयागराज किया जाना ऐसा ही कदम है। डॉ. सिंह ने कहा कि कोविड संकट के समय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया, दवाएं और वेक्सीन उपलब्ध कराई। डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 10 वर्षों में जन हितैषी योजनाओं से सरकार पर जनता का विश्वास बढ़ा है और सरकार के पक्ष में देश में ऐतिहासिक वातावरण है। बस इस विश्वास को पोलिंग बूथ तक ले जाकर मत के रूप में परिवर्तित करवाना ही हम सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है। हमें क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर घर-घर पहुंचकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की राम-राम' पहुंचानी है। कार्यकर्ताओं को केंद्र की मोदी सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आज विश्व में देश का गौरव बढ़ाया है भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

सुख-समृद्धि

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को पन्ना जिले में जनसंपर्क के दौरान अजयगढ़ तहसील के झिन्ना धाम श्री हनुमान मंदिर में पूजन-अर्चन कर देश एवं प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने के लक्ष्य को पूरा करे कार्यकर्ता : हितानंद जी

मउगंज। भारतीय जनता पार्टी ही देष में एकमात्र दल है जो कहती है उसे पूरा करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमें हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य दिया है। श्रद्धेय डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए आंदोलन किया और अपना बलिदान दे दिया। हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाकर डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि देंगे। देवतुल्य कार्यकर्ता कमर कसकर अपने-अपने बूथों में जुट जाये और हर बूथ पर 370 वोट बढाने के लक्ष्य को पूरा करे। यह बात पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने मउगंज जिला कार्यालय में बैठक को सम्बोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि आज विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। वही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार देश का विकास कर रही है। प्रधानमंत्री के दस वर्ष के कार्यकाल में अनेकों ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्हें जनता तक हमें पहुंचाना है। हमें गांव-गांव, घर-घर संपर्क कर भाजपा सरकार की उपलब्धियां जनता को बताकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान करें। श्री हितानंद जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लंबे

संघर्ष का परिणाम है कि आज देश में सबसे ज्यादा सरंपच, जनपद, जिला पंचायत, नगरपालिका, महापौर, विधायक, सांसद सहित विभिन्न राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें है। आज कष्मीर से धारा 370 समाप्त हो गयी है। 500 वर्षों के संघर्ष और लाखों लोगों के बलिदान के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। अब भव्य भारत बनाने का संकल्प लेकर हम इस चुनाव में उतरेंगे और देश को परम वैभव के शिखर पर पहुंचाने का कार्य करेंगे। बैठक में विधायक श्री गिरीश गौतम, पार्टी के प्रदेष मंत्री श्री राजेश पांडेय, ज़िला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मिश्रा, रीवा लोकसभा प्रभारी श्री रामलाल रौतेल, मऊगंज ज़िला प्रभारी श्री के के तिवारी, मऊगंज विधानसभा के प्रभारी श्री सत्यप्रकाश पांडेय सहित जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महामंत्री ने जताया शोक

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने महान संत श्री शिवशंकर चैतन्य भारती महाराज के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि उनका अवसान धर्म जगत के लिये बड़ी क्षति है। बाबा विश्वनाथ की सेवा और भक्ति को समर्पित उनका जीवन मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।